राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 08 जून 2025 वर्ष-8,अंक-109 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आने वाले समय में किसान कल्याण के लिए दिन-रात जुटी रहेगी हमारी सरकार - पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बीते 11 वर्षों के दौरान उनकी सरकार की अनेक पहलों से किसानों की समृद्धि बढ़ी है और कृषि में बदलाव हुआ है। पीएम मोदी ने लिखा कि हमारे किसान भाई-बहनों को पहले जहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उधार लेने को मजबूर होना पड़ता था, वहीं बीते 11 साल में हमारी सरकार के शासनकाल में उनका जीवन बहुत आसान हुआ है। एमएसपी में निरंतर बढ़ोतरी से देश के अन्नदाताओं को ना सिर्फ फसलों की उचित कीमत मिल रही है, बल्कि उनकी आय भी बढ़ रही है। मोदी ने कहा कि हमारे मेहनती किसानों की सेवा करना हमारा सौभाग्य है। हमने मृदा स्वास्थ्य और सिंचाई जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है, जो बहुत फायदेमंद साबित हुए हैं। आने वाले समय में किसान कल्याण के लिए हमारे प्रयास और अधिक जोश के साथ जारी रहने वाले है।

गोल्डी बरार सहित पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुग्राम में दो क्लबों पर बम हमलों से संबंधित 2024 के मामले में नामित व्यक्तिगत आतंकवादी गोल्डी बरार सहित पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एनआईए ने कनाडा स्थित सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बरार, सचिन तालियान, अंकित, भाविश और अमेरिका स्थित रणदीप सिंह उर्फ रणदीप मलिक पर विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। बरार और मलिक को छोड़कर अन्य सभी को मामले में गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने आरोपियों को वेयरहाउस क्लब और ह्यूमन क्लब को बम से निशाना बनाने की साजिश में शामिल पाया था, जो कि बब्बर खालिस्तानी इंटरनेशनल (बीकेआई) की बड़ी साजिश का हिस्सा था, ताकि हिंसा फैलाकर हरियाणा और पड़ोसी क्षेत्रों में सांप्रदायिक विद्वेष फैलाया जा सके और शांति भंग की जा सके। एनआईए की जांच में बाद में पता चला कि बरार और उसके साथियों ने गहरी आतंकी साजिश रची थी। एनआईए के अनुसार, आतंकी सिंडिकेट देश की अखंडता, सुरक्षा (आर्थिक सुरक्षा सहित) और संप्रभुता को खतरे में डालने के लिए धन उगाही, आतंकी फंड जुटाने, विस्फोटक और हथियार और गोला-बारूद खरीदने और आम लोगों के बीच आतंक को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को दुनिया से शानदार प्रतिक्रिया मिली- सतनाम सिंह

नई दिल्ली।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान भारत को दुनिया से शानदार प्रतिक्रिया मिली। सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। राज्यसभा सांसद ने कहा कि एक महीने में भारत ने बहुत ही कम समय में बहुत सटीक जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि जो कोई भी भारत पर हमला करेगा, हम उसका मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है। भारतीय सेना ने ठीक यही किया और पाकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया। जवाबी कार्रवाई और जवाबी कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतना बड़ा अभियान पूरा किया। हमारी वैश्विक पहुंच पूरी हो गई है और हमारी टीमें वापस आ गई हैं। भारत को दुनिया से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

नक्सलियों को मौत की नींद सुलने वाले बहादुर सिपाही से मिलने को उत्सकू हूं: अमित शाह

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। शाह ने कहा कि वह सफल अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जवानों से मिलने जल्द ही छत्तीसगढ़ आएंगे। शाह ने कहा कि हाल ही में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से मुलाकात की और इन अभियानों की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। मैं उन जाबांज जवानों से मिलने के लिए भी उत्सुक हूं जिन्होंने अपनी बहादुरी से इन अभियानों को सफल बनाया और जल्द ही छत्तीसगढ़ जाकर उनसे मिलूंगा। दरअसल 6 जून को, मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नक्सलवाद को समाप्त करने के उद्देश्य से सफल अभियानों, आगे के रास्ते और राज्य के विकास पर चर्चा करने के लिए दिल्ली पहुंचे। अपने दौरे के दौरान, सीएम साय ने गृह मंत्री शाह और अभियानों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से भी मुलाकात की। एक महीने से भी कम समय में, दो नक्सल विरोधी अभियानों ने प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के दो शीर्ष कमांडरों को मार गिराया है। 5 जून को, अधिकारियों ने पुष्टि की कि एक शीर्ष नक्सल नेता सुधाकर (उर्फ गौतम) का शव मिला है। 21 मई को, तीन सप्ताह से भी कम समय पहले, बसव राजू का शव बरामद

किया गया था। राजू केंद्रीय समिति पोलित ब्यूरो के सदस्य और सीपीआई (माओवादी) के महासचिव थे, जिन्हें व्यापक रूप से नक्सल आंदोलन की रीढ़ के रूप में जाना जाता है।

अब दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज, एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा

कटरा-श्रीनगर रेल प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग का अद्भुत कारनामा-

श्रीनगर।

पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उदमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना की 8 खासियतों को सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने इस रेल परियोजना को ÷इंजीनियरिंग का अद्भुत कारनामा÷ बताया। रेल मंत्री ने बताया कि इस परियोजना के तहत देश की सबसे लंबी परिवहन सुरंग टी-50, खारी और सुम्बर के बीच बनाई गई है, जिसकी लंबाई 12.77 किलोमीटर है। वहीं, देश की दूसरी सबसे लंबी रेल सुरंग टी-80, बनिहाल और काजीगुंड के बीच स्थित है, जिसकी लंबाई 11.22 किलोमीटर है। इसके अलावा, भारत की तीसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग टी-44 की लंबाई 11.13 किलोमीटर है, जो सावलकोट और संगलदान के बीच है।वैष्णव ने बताया कि परियोजना में कुल 36 मुख्य सुरंगों का निर्माण किया गया है, जिनकी कुल लंबाई 119.6 किलोमीटर है। इनके अलावा 8 एस्केप टनल्स यानी आपातकालीन सुरंगों का भी निर्माण हुआ है, जिनकी कुल लंबाई 66.4 किलोमीटर है।

परियोजना का सबसे आकर्षक और तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण हिस्सा चिनाब ब्रिज है, जो अब दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज बन चुका है। इसकी लंबाई 1.3 किलोमीटर है और यह 359 मीटर ऊंचा है यानी एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा। ब्रिज के निर्माण में 600 किलोमीटर से ज्यादा स्टील वेल्डिंग की गई, जो जम्मू से दिल्ली के रेलवे ट्रैक की लंबाई से भी ज्यादा है।

रेल मंत्री ने अंजी ब्रिज का भी जिक्र किया, जो भारत का पहला केबल-स्पैन रेलवे ब्रिज है। इस ब्रिज की कुल लंबाई 725.5 मीटर है और यह एक ही सेंट्रल पायलन पर संतुलित है। इस पायलन की ऊंचाई 193 मीटर है। इस ब्रिज के निर्माण में 96 स्टे केबल्स का इस्तेमाल किया गया है, जिनकी कुल लंबाई 653 किलोमीटर है जो जम्मू से दिल्ली की दूरी से भी ज्यादा है। इन सभी केबल्स को महज 11 महीनों में स्थापित किया गया है।

प्रेस काउंसिल के गठन में देरी, दिल्ली हाईकोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मुंबई प्रेस क्लब (एमपीसी) द्वारा दायर याचिका पर केंद्र सरकार और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) को नोटिस जारी किया है। याचिका में पीसीआई के अध्यक्ष को निर्देश देने की मांग की गई है। वह बिना किसी देरी के 15वीं प्रेस काउंसिल का गठन करें। यह याचिका ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले 26 मई को जस्टिस सचिन दत्ता के समक्ष सुनवाई के लिए आई थी। इस पर उन्होंने नोटिस जारी कर प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इस मामले की सुनवाई 10 जुलाई को फिर होगी। याचिका में कहा गया है, संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित प्रेस काउंसिल एक अर्ध-न्यायिक संस्था है। इसका उद्देश्य भारत में प्रेस की नैतिक और स्वस्थ कार्यप्रणाली को बनाए रखना है। पीसीआई को व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं अधिकारों पर प्रभाव डालने वाली मीडिया कवरेज से संबंधित शिकायतों की सुनवाई और अनुशंसा शामिल है। याचिका में बताया गया है। 14वीं प्रेस काउंसिल का कार्यकाल 8 अक्टूबर 2024 को खत्म हो गया था. इसके 8 महीने से अधिक बीत जाने के बावजूद 15वीं काउंसिल का गठन नहीं हुआ है। हालांकि इस प्रक्रिया की शुरुआत 9 जून 2024 को नामांकन के साथ की गई थी।

सड़क पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, सवार यात्री सुरक्षित

देहरादून।

उत्तराखंड में शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया। यहां सड़क पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। जिस समय में ये लैंडिंग हुई तब हेलीकॉप्टर में कुछ लोग सवार थे। हालांकि वे सभी सुरक्षित है और पायलट को मामूली चोटें आई हैं। बताया जा रहा हैं कि हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ जा रहा था। तभी हाईवे पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग के बाद हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा कार पर गिर गया इससे कार क्षतिग्रस्त हुई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये लैंडिंग तकनीकी खराबी के चलते करानी पड़ी। उत्तराखंड के एडीजी कानून व्यवस्था ने बताया कि रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी में एक निजी हेलीकॉप्टर को तकनीकी खराबी के कारण आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा, ब्रिटिश विदेश मंत्री से जयशंकर ने कहा

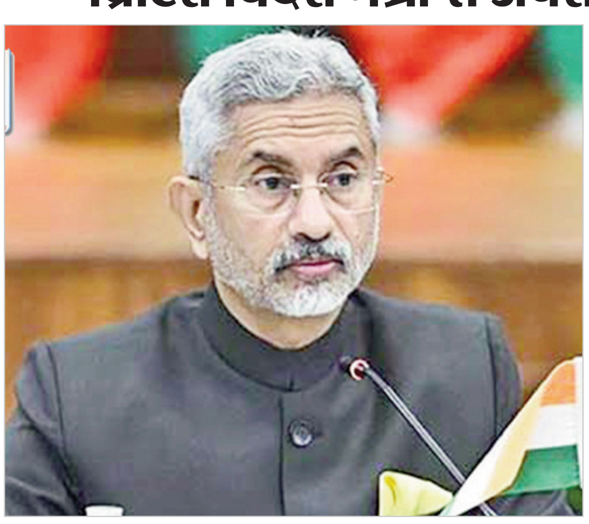

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा है, उम्मीद है कि हमारे साझेदार हमारी इस बात को समझे। यह बात भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिटिश विदेश मंत्री के साथ बातचीत के दौरान कही। विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन करने के लिए ब्रिटेन को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री ने दो टूक कहा कि भारत कभी भी इस बात का समर्थन नहीं करेगा कि अपराध करने वालों को पीड़ितों के समान रखा जाए। साथ ही जयशंकर ने हाल में हुए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, दोहरा अंशदान समझौता को मील का पत्थर बताया।

गौरतलब है कि ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी व्यापार के साथ-साथ रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए शनिवार को भारत की दो-दिवसीय यात्रा पर आए हैं। लैमी ने अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर के साथ व्यापक मुद्दों पर बातचीत की।

जानकारी के मुताबिक ब्रिटिश विदेश मंत्री से बातचीत के दौरान पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से फैलाए जा रहे आतंकवाद पर भी बात हुई। बता दें कि पिछले महीने भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव के दौरान ब्रिटेन दोनों देशों के संपर्क में था।

भारत आने से पहले लैमी 16 मई को दो दिन के लिए इस्लामाबाद भी गए थे। वहां पर उन्होंने सैन्य संघर्ष खत्म करने के लिए दोनों देशों की तारीफ भी की थी।

हाईवे पर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

देहरादून।

रुद्रप्रयाग जनपद के बडासू क्षेत्र में केदारनाथ के लिए जा रहा एक हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के चलते अचानक सडक़ पर लैंड हुआ। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ धाम की ओर जा रहा था, लेकिन रास्ते में आपात स्थिति के कारण पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलीकॉप्टर को बडासू के पास सुरक्षित सडक़ पर उतारा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। क्रिस्टल एविएशन कंपनी का हेली बताया जा रहा है। हेलिकॉप्टर ने बड़ासु हेलीपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी और टेकऑफ होते ही इमरजेंसी लैंडिंग सडक़ पर करनी पड़ी। हेलिकॉप्टर में पांच यात्री, पायलट और सह पायलट सवार थे। सह पायलट को हल्की चोट की सूचना है।

24 घंटे में कोरोना के 391 नए मामले

केरल और गुजरात में सबसे ज्यादा मरीज मिले; 5755 एक्टिव केस, 59 की जान गई

नई दिल्ली।

देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 21 दिन में एक्टिव केसों की संख्या में 62 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5755 पहुंच गई है। केंद्र सरकार के मुताबिक बीते 24 घंटे में 391 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से 229 केस केरल और गुजरात में हैं। वहीं, मौत का आंकड़ा बढक़र 59 पहुंच गया है। 6 जून को 4 और मरीजों की जान चली गई। कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से 6 जून तक 59 मौतें हो चुकी हैं। इनमें 53 मौतें पिछले 16 दिन में हुई हैं। दिल्ली में 5 जून को पांच महीने के एक बच्चे की कोरोना से मौत हो गई। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 मरीजों ने जान गंवाई है। इस तरह जनवरी से 6 जून तक देश में कोरोना के कुल 11,298 मामले आए हैं। इनमें से 48.54 प्रतिशत मरीज रिकवर हो चुके हैं, बाकी का इलाज जारी है। सिर्फ 0.52 प्रतिशत मामलों में मरीज की मौत हुई। ओडिशा में गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल कोविड गाइडलाइन के तहत खोले गए हैं। शिक्षा मंत्री

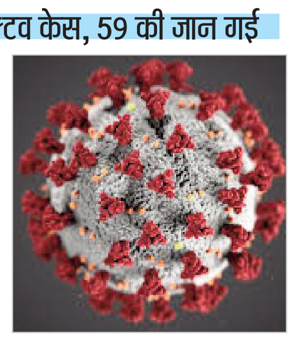

नित्यानंद गोंड ने बताया कि जिन बच्चों को सर्दी, खांसी या बुखार जैसे हल्के लक्षण हैं, उन्हें स्कूल में मास्क पहनना अनिवार्य है। गंभीर लक्षण वाले बच्चों को घर पर आइसोलेट होने की सलाह दी गई है।

पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब कर स्वदेश लौटे दो प्रतिनिधि मंडल

विदेश मंत्री जयशंकर ने किया स्वागत

नई दिल्ली।

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सात प्रतिनिधि मंडल में से दो का स्े वागत भारत लौटने पर किया। ऑल पार्टी डेलिगेशन इस झूठ की पोल खोलने के लिए दुनिया भर में गया। हर डेलिगेशन में सात सांसद हैं। जो दो डेलिगेशन लौटे थे उसमें से एक का नेतृत्े व श्रीकांत शिंदे और दूसरी का सुप्रिया सुले कर रही थी।

सांसद शिंदे की अगुवाई वाला दल अफ्रीकी देशों जैसे कि सिएरा लियोन, लाइबेरिया, और कांगो– का दौरा कर लौटा। वहीं सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र जैसे देशों में पाकिस्तान की आंतकी करतूत उजागर करके लौटा है। जयशंकर ने कहा कि ये देश भले ही वैश्विक राजनीति में बहुत प्रमुख न दिखें, लेकिन उनका महत्व भविष्य में बढ़ेगा।

दोनों दलों ने विदेश मंत्री को बताया कि किस तरह इन देशों में भारतीय प्रतिनिधियों का स्वागत हुआ और भारत के दृष्टिकोण को गंभीरता से सुना गया।

इस मौके पर जयशंकर ने विशेष रूप से शिंदे के दल की प्रशंसा की, जिन्होंने सिएरा लियोन और लाइबेरिया में पुलवामा हमले के शहीदों की स्मृति में मौन रखवाया। कई देशों ने भारत से पाकिस्तान से बातचीत की मांग की, जिस पर दलों ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान की आतंकवाद-समर्थक नीतियों के कारण संवाद संभव नहीं। प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि भारत को इन देशों के साथ व्यापार, संस्कृति, पर्यटन और मीडिया संवाद जैसे क्षेत्रों में भी सक्रियता दिखानी चाहिए। लाइबेरिया ने भारत में एक वाणिज्य दूतावास खोलने की इच्छा जाहिर की और व्यापार के लिए रबर व खनिज क्षेत्रों में संभावनाएं खोजने का सुझाव दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक स्तरपर अब मिलिट्री संघर्ष का आधार ड्रोन वार होने की संभावना - यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब से दुनिया सतर्क

पर्ल हार्बर हमले को अमेरिका के द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल होने की वजह माना जाता है।हालांकि ऑपरेशन स्पाइडर वेब के पीछे बड़ी ताकतों का हाथ होगा?परंतु यहां सवाल यह है खड़ा होता है कि यह 117 ड्रोन ऑपरेटर सहित रूस के 4000 किलोमीटर अंदर तक घुसने और पांच हवाई ठिकानों के पास पहुंचकर रिमोट से 41 बॉम्बर्स जेट्स को उड़ा दिया व रूस को पता ही नहीं चला। बता दें रिमोट का उपयोग ड्रोन के 20 किलोमीटर के दायरे से किया जा सकता है जो रूस की भारी सुरक्षा चूक का नतीजा हो सकता है,जिसका पूरी दुनियाँ को स्वतः संज्ञान लेकर, सीमा सुरक्षा को चाक चौबंद करना जरूरी हो गया है।

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में गुटबाजी युद्ध के दौर में नई-नई हैरत अंगेज युद्ध रणनीतियों को देखकर अपने आपको पूर्ण विकसित देशों की श्रेणी में रखने वाले देश भी आज दांतों तले उंगली दबा रहे हैं कि ऑपरेशन स्पाइडर वेब (मकड़ी का जाल) को आखिर अपने अंजाम तक पहुंचनें में रूस जैसा पूर्ण विकसित देश अपनी सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक कैसे कर सकता है कि 117 ड्रोन रूस की सीमा में करीब 4000 किम्मी से अधिक तक अंदर में घुसकर पांच हवाई ठिकानों के 41 बमबर्स जेट तबाह कर सकता है, मेरे जैसा सामान्य आदमी तो यह बात सपने में भी नहीं सोच सकता, इसकी तुलना अब 1941 के पर्ल हार्बर अटैक से की जा रही है।यूक्रेन के ड्रोन अटैक को पर्ल हार्बर अटैक से जोड़ा जा रहा है। इस हमले में जिस तरह यूक्रेन ने रूस को चौंकाया है, उसी तरह से 1941 में जापान ने अमेरिका को अपने हमले से चौंकाया था। दिसंबर, 1941 को जापान ने पर्ल हार्बर में एक आश्चर्यजनक हवाई हमला करते हुए अमेरिकी नौसैनिक अड्डे को तबाह किया था। इस हमले में 2,403 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। पर्ल हार्बर हमले को अमेरिका के द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल होने की वजह माना जाता है।हालांकि ऑपरेशन स्पाइडर वेब के पीछे बड़ी ताकतों का हाथ होगा?परंतु यहां सवाल यह है खड़ा होता है कि यह 117 ड्रोन ऑपरेटर सहित रूस के 4000 किलोमीटर अंदर तक घुसने और पांच हवाई ठिकानों के पास पहुंचकर रिमोट से 41 बॉम्बर्स जेट्स को उड़ा दिया व रूस को पता ही नहीं चला। बता दें रिमोट का उपयोग ड्रोन के 20 किलोमीटर के दायरे से किया जा सकता है जो रूस की भारी सुरक्षा चूक का नतीजा हो सकता है,जिसका पूरी दुनियाँ को स्वतः संज्ञान लेकर, सीमा सुरक्षा को चाक चौबंद करना जरूरी हो गया है। चूँकि अब वैश्विक स्तरपर मिलिट्री संघर्ष का आधार ड्रोन वार हो सकता है, यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब से दुनियाँ सतर्क हो गई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,यूक्रेन ने रूस के घर में 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर ऑपरेशन स्पाइडर वेब को सफल अंजाम देने से पूरा विश्व हैरान,18 महीनों का प्लान, 117 ड्रोन से 41 बॉमर्स जेट तबाहकर दिया!

साथियों बात अगर हम दिनांक 1 जून 2025 को यूक्रेन द्वारा रूस के घर में 4 हज़ार किलोमीटर अंदर घुसकर ऑपरेशन स्पाइडर वेब के क्रियान्वयन को समझने की करें तो,रविवार को रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी जंग में एक नया मोड़ आया, जिस यूक्रेन के बारे में सब कहते थे कि वह अमेरिका से मिले हथियारों के दम पर जंग लड़ रहा है, उसने ऑपरेशन स्पाइडर वेब के साथ ही सबका मुंह बंद कर दिया।यूक्रेन के ड्रोन ने दुश्मन के घर में घुसकर उसके 40 बॉम्बिर्स जेट्स पूरी तरह से खत्म कर दिए है,मीडिया न्यू ज की मानें तोयूक्रेन ने इस पर्लहार्बर मोमेंट के साथ ही रूस को दो अरब डॉलर से भी ज्यामदा की चोट पहुंचाई है, यूक्रेन का यह ड्रोन हमला भारत की तरफ से पाकिस्तापन के खिलाफ की गई कार्रवाई अभियान ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही हफ्तों बाद हुआ है, ऐसे में भारत भी इससे बड़े सबक सीख सकता है क्यौंकि अब जंग का मैदान तेजी से हर पल बदल रहा है।यूक्रेन ने रूस के चार बड़े एयरबेस पर ड्रोन अटैक किए थे, जिसमें पहला था ओलेन्या एयरबेस जो यूक्रेन की सीमा से 1800 किलोमीटर दूर मौजूद है,दूसराहै इवानावो एयरबेस, यूक्रेन की सीमा से इस टारगेट की दूरी 1 हजार किलोमीटर है,टारगेट किए गए तीसरे एयरबेस का नाम है डिगिलेव जो यूक्रेनी बॉर्डर से 500 किलोमीटर दूर मौजूद है और चौथे एयरबेस का नाम है बेलाया, जो यूक्रेनी बॉर्डर से चार हजार तीन सौ किलोमीटर दूर है। पिछले तीन सालों से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में सैकड़ों मौकों पर ड्रोंस का इस्तेमाल किया गया है लेकिन ये पहली बार था जब कोई ड्रोन 4 हजार किलोमीटर दूर तक चला गया हो। अब सवाल उठ रहा है कि यूक्रेन के ड्रोन 4 हजार किलोमीटर दूर चले गए और रूस के एयर डिफेंस या राडार को खबर भी नहीं लगा ऐसा कैसे संभवहो सकता है?

साथियों बात अगर हम ऑपरेटरों सहित 117 ड्रोन को 4000 किलोमीटर अंदर तस्करी से रूस में पहुंचने को समझने की करें तो,कैसे दिया गया ऑपरेशन को अंजाम?,यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मीडिया बताया है कि इस ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए 117 ड्रोन के साथ ड्रोन ऑपरेटरों की समान संख्या शामिल थी। यूक्रेन ने रूस में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए सीधे ड्रोन लॉन्च करने के बजाय एक अलग और बेहद नया तरीका अपनाया। विस्फोटकों से भरे यूक्रेनी ड्रोन्स को लकड़ी के ढांचे के अंदर छिपाकर रूस में तस्करी के जरिए पहुंचाया गया,इन लकड़ी के ढांचे को ट्रकों पर लादा गया था, जो एयरबेस के पास तक पहुंचाए गए।यूक्रेनी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, ये ट्रक टागरेटिड एयरबेस के पास तक पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की गई। इन ड्रोन के अपने टारगेट पर पहुंचने के बाद लकड़ी के ढांचे की छतें दूर से खोली गईं। इसके बाद ड्रोन ने उड़ान भरी और हमला शुरू कर दिया। ऑपरेशन के सबसे दिलचस्प हिस्से को साझा करते हुए जेलेंस्की ने मीडिया में कहा कि रूसी क्षेत्र पर यूक्रेन के ऑपरेशन का संचालन करने के लिए ऑफिश एफएसबी के मुख्यालय के ठीक बगल में बनाया गया।क्यों हो रही है पर्ल हार्बर से तुलना?,यूक्रेन ने कहा है कि उसके ड्रोन हमलों में रूस के 41 विमानों को नुकसान पहुंचा है। रूस के न्यूक्लियर कैपेबल टीयू -95, टीयू -22 बमवर्षक और ए-50 विमान इस हमले में तबाह हुए हैं। यूक्रेन का कहना है कि इन विमानों का इस्तेमाल उसकी जमीन पर बमबारी करने के लिए किया गया था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने माना है कि यूक्रेन के ड्रोन हमलों में मुरमांस्क, इरकुत्स्क, इवानोवोरियाजान और अमूर एयरबेस को निशाना बनाया गया है।

साथियों बात अगर हम ड्रोन वार भविष्य की हकीकत की करें तो,ड्रोन वॉर-ड्रोन वॉर आने वाले समय में मिलिट्री संघर्ष का आधार होने वाले हैं,ड्रोन तेजी से मुख्यव बल बनने की तरफ बढ़ चुके हैं, यूक्रेन का स्पाइडर वेब हमला इस बात का उदाहरण है कि यूएवी या अनमैन्डक ड्रोन कोई नई चीज नहीं हैं बल्कि आने वाले समय में युद्धों लड़ने के तरीके का आधार हैं, माना जाने लगा है कि सेना, दुश्मन के इलाके में गहराई तक जा सकती है और जेट को बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है,सबसे बड़ी बात है कि एक भी पायलट का जीवन जरा भी खतरे में नहीं आ सकता है। इसलिए ड्रोन सिस्टेम की तरफ बढ़ना चाहिए,भारत ने अपने लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टजर्स और एयरट्रांसपोर्ट में दशकों तक रणनीतिक प्रयास किएहैं,लेकिन स्पाइडर वेब एक महत्वपूर्ण बात की पुष्टि करता है,वायु शक्ति का भविष्य मानव रहित, एआई- ऑपरेटेड और लंबी दूरी का होने वाला है, भारत ने उस दिशा में शुरुआती कदम उठाए हैं, लेकिन अभी तक वह स्पी ड नहीं पकड़ सका है जिसकी अपेक्षा की गई थी। यूक्रेन के ऑपरेशन से भारत को स्वदेशी ड्रोन, आर्मर्डम यूएवी और ऑटोनमी बेस्डर हथियार सिस्टयम पर कहीं ज्या दा आक्रामक तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यूक्रेन ने रूस के घर में 4 हज़ार किम्मी अंदर घुसकर ऑपरेशन स्पाइडर वेब (मकड़ी का जाल) को सफ़ल अंजाम देने से पूरा विश्व हैरान-18 महीनों का प्लान 117 ड्रोन,41 बम्बर्स जेट तबाह,वैश्विक स्तरपर अब मिलिट्री संघर्ष का आधार ड्रोन वार होनें की संभावना-यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब से दुनिया सतर्क,यूक्रेन द्वारा रूस में 4 हज़ार किम्मी अंदर तस्करी से घुसकर 117 ड्रोन ऑपरेटर सहित एयरबेसो के पास पहुंच जाकर 41 बमबर्स जेट को उड़ाया भारी सुरक्षा चूक -विश्व को हाई अलर्ट पर सुरक्षा संज्ञान लेना ज़रूरी।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

विकास से शुभ संकेत

पहलगाम आतंकी हमले के डेढ़ महीने बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जम्मू-कश्मीर यात्रा स्थानीय लोगों के साथ एकजुटता की एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में बड़ी रेल परियोजनाओं के उद्घाटन से पाकिस्तान को सख्त संदेश देने की कोशिश की गई है कि जम्मू-कश्मीर की प्रगति को उसकी तमाम साजिशों के बावजूद धीमा नहीं पड़ने दिया जाएगा। इसके विपरीत पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा शांति भंग करने के तमाम षड्यंत्रों के बावजूद विकास में तेजी लाने के भरसक प्रयास जारी रहेंगे। कश्मीरियों से संवाद कायम करते हुए प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान पर पर्यटकों को निशाना बनाने और पर्यटन पर निर्भर लोगों को उनकी आजीविका से वंचित करने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे सीधे-सीधे इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला बताया। निस्संदेह, कश्मीर घाटी को भारत के बाकी रेल नेटवर्क से जोड़ने का सामरिक व प्रतीकात्मक महत्व किसी से छिपा नहीं है। यह सरकार के इस दृष्टिकोण की पुष्टि है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न व अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक को जम्मू कश्मीर की नई पहचान और भारत की नई ताकत बताया है। इस प्रकार उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि पहलगाम के जघन्य हत्याकांड के बाद केंद्र शासित प्रदेश और देश, दोनों ही मजबूत हुए हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की स्पष्ट अभिव्यक्ति न केवल स्थानीय लोगों बल्कि शेष देश से आने वाले पर्यटकों का विश्वास फिर से हासिल करने का सार्थक प्रयास है। इसी तरह के प्रयास राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की तरफ से भी किए जा रहे हैं। राज्य के लोगों का मनोबल और पर्यटकों का भरोसा बढ़ाने के मकसद से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह एक सराहनीय कदम उठाया। उन्होंने पहलगाम की सड़कों पर साइकिल चलाई और जोर देकर कहा कि अब आतंकवाद पर्यटन को नहीं रोक सकता है। वहीं केंद्र सरकार भी इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभा रही है और राज्य सरकार को हर संभव सहयोग दे रही है। दरअसल, केंद्र सरकार भी लगातार इस दिशा में सक्रिय है कि जम्मू-कश्मीर की कानून व्यवस्था पटरी पर आ चुकी है। इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र व राज्य सरकार के सामने पर्यटकों का भरोसा हासिल करना इतना भी आसान नहीं है। उन्हें यह भरोसा दिलाना सहज नहीं है कि कश्मीर में सब कुछ ठीक-ठाक है और उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीरियों के प्रति भय और अविश्वास गंभीर स्थिति तक जा पहुंचा था। हालांकि, कश्मीरी लोगों ने पहलगाम घटना के खिलाफ जोरदार विरोध किया था। वे आतंकवादियों के खिलाफ नारे लगाते हुए बाकायदा सड़कों पर भी उतरे थे। उन्होंने आतंक की घटना का सार्वजनिक तरीके से विरोध करके नई पहल की। निश्चित रूप से सत्ता में बैठे लोगों को उन नफरत फैलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभों को पलीता लगाने पर तुले हैं। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को राष्ट्र को समर्पित, चिनाब नदी पर बना दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल हर भारतीय के लिये गर्व का विषय है। बताया जाता है कि यह एफिल टावर से भी ऊंचा है। साथ ही इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह तूफान, बम हमले और भूकंप के खतरे में भी सुरक्षित रह सकता है। दरअसल, यह पुल चिनाब नदी पर बना और उधमपुर-श्रीनगर के बीच रेल लिंक प्रोजेक्ट का हिस्सा भी है।

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरें

(लेखक ललित गर्ग)

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई।

विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं।

4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी।

आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो दुष्प्रचार ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो 卐कीचड़ स्नान卐 कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।

बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया।

(चिंतन-मनन)

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है। मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ति है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान के मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्यापक है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उसी निराकार का रूप सृष्टि है। आकार बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व वही रहता है। जैसे सोने से विभिन्न आभूषण बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व सोना वही रहता है। इस तरह से हम कह सकते हैं, आत्मा ही सत्य है और आत्मा ही पुरातन है, आत्मा ही सनातन है।

विचार मंथन

उधार के चंदन से कैसे ठीक होगी अर्थव्यवस्था

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने विगत दिवस बैंक की ब्याज दरों में डबल कटौती कर एक रिकॉर्ड कायम कर लिया है। रिजर्व बैंक के इस निर्णय के बाद शेयर बाजार आसमान में झूमने लगा। बैंक निफ़्टी, रियल्टी, ऑटो सेक्टर रॉकेट की तरह आकाश में कुलाचें भरने लगे हैं। रिजर्व बैंक की इस घोषणा के बाद सेंसेक्स 747 अंकों की वृद्धि के साथ हवा हवाई हो गया। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने जीडीपी को बढ़ाने के लिए भरपूर प्रयास शुरु कर दिये हैं। शेयर बाजार का भी जीडीपी में बहुत योगदान होता है। बैंकों में नगदी की कमी बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने बैंकों को ढाई लाख करोड रुपए की संजीवनी दे दी है। यह संजीवनी सीएसआर में एक फ़ीसदी की कटौती कर के दी है। पहले रेपो रेट की दर चार फ़ीसदी थी। रिजर्व बैंक ने इसे घटाकर तीन फ़ीसदी कर दिया है। जिसके कारण बैंकों के पास लगभग ढाई लाख करोड रुपए अतिरिक्त पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ने बैंक रेट को 5.75 फ़ीसदी कर दिया है। इसका लाभ यह होगा कि लोगों को कम ब्याज दर पर लोन मिलेगा। ईएमआई कम होगी। ब्याज कम होने के कारण बैंक अब एफडी सेविंग के ब्याज दरों में कमी करेंगे। इसका तात्कालिक लाभ अर्थव्यवस्था को संभालने और जीडीपी बढ़ाने में कुछ समय के लिये जरूर मिल सकता है। उसका दीर्घकालीन नुकसान होना तय है। बैंकों में यदि फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में कम राशि जमा होगी। ऐसी स्थिति में बैंकों को दौहरा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रिजर्व बैंक के उपरोक्त सभी प्रयासों के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को कोई दीर्घकालीन लाभ मिलने जा रहा हो ऐसा कहीं से दिखता नहीं है। सीएसआर में कटौती करके रिजर्व बैंक ने बैंकों की तरलता को बढ़ा दिया है। कुछ समय के लिए इसका लाभ भारतीय अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। लेकिन दीर्घकालीन नुकसान होना तय है। बैंकों ने ब्याज दरों में जो कटौती की है। उसके कारण सस्ते लोन मिलने की आशा बढ़ी है। यह लोन सही हाथों तक पहुंचेगा और बैंकों को वापस लौटेगा, इसमें संदेह है। सरकारी योजनाओं के माध्यम से बैंकों से जो ऋण दिलवाया जा रहा है। उसका एनपीए साल दर बढ़ता ही चला जा रहा है। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट घटाकर बैंकों में जिन लोगों का धन जमा है, उनके जोखिम को बढ़ा दिया है। किसी भी बैंक के पास 100 रुपये जमा होंगे, तो उसे मात्र 3 रुपये ही रिजर्व बैंक के पास जमा करके रखने होंगे। बाकी 97 रुपए वह लोन बांट सकेगा। यदि बैंक ऋण समय पर वापस नहीं आता है, तो ऐसी स्थिति में जमाकर्ताओं का जोखिम बहुत बढ़ जाएगा। रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा के भंडार को 15 फ़ीसदी तक सीमित रखने का निर्णय लिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की आयात जरूरतों को देखते हुए यह मुद्रा भंडार आगे चलकर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। अर्थव्यवस्था को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक तत्काल प्रभाव को देखते हुए जिस तरह का निर्णय ले रहा है। उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है उधार के चंदन से अपने ललाट पर टीका लगाकर रिजर्व बैंक दूसरों को दिखा तो रहा है, लेकिन ना तो टीका हमारा है, ना चंदन हमारा है। आगे चलकर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति एक बड़ी चुनौती बन सकती है। इसको ध्यान में रखने की जरूरत है।

जमाकर्ताओं का जो धन बैंकों के पास जमा है। बैंक य दि दिवा लिया होते हैं, तो ऐसी स्थिति में बीमा से केवल 5 लाख रुपये वापस मिलेगा। इससे जमाकर्ता बैंकों से अपना धन निकालकर रियल स्टेट अथवा सोना-चांदी में निवेश कर रहे हैं। जिसके कारण बैंकों का जो खिम भी बढ़ रहा है।

यदि समय रहते गंभीरता से अर्थव्यवस्था को लेकर सही निर्णय नहीं किए गए। इसके दुष्परिणाम आने वाले कई दशकों तक हमें देखने पड़ेंगे। सरकार और रिजर्व बैंक को इस पर गंभीरता से विचार करते हुए दीर्घकालीन निर्णय लेने होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

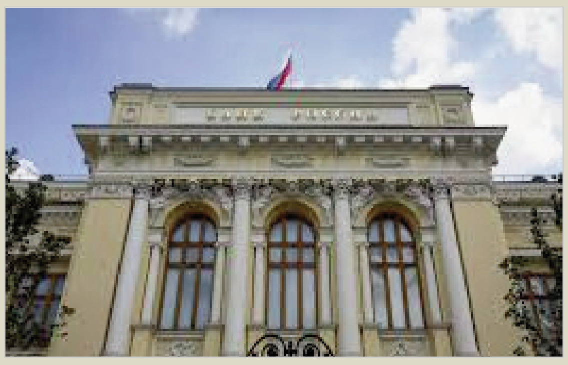

रूस के केंद्रीय बैंक ने की नीतिगत ब्याज दर में 1 फीसदी कटौती

नई दिल्ली।

रूस के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दर में 1 फीसदी की कटौती कर दी है।` जिससे रूस की नई बेंचमार्क पॉलिसी रेट 21 से घटकर 20 फीसदी हो गई है। यह सितंबर 2022 के बाद पहली बार है जब रूस ने ब्याज दरों में कटौती की है। फरवरी 2022 से ही यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे रूस की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे संतुलित विकास की ओर लौट रही है। रूस में अप्रैल 2025 में मुद्रास्फीति दर 6.2 फीसदी दर्ज की गई, जबकि पहली तिमाही में यह औसतन 8.2 फीसदी थी। रूस की मुद्रा रूबल साल 2025 में डॉलर के मुकाबले दुनिया में सबसे बढिया प्रदर्शन करने वाली करंसी बन गई है। रूबल का बढना और महंगाई का कम होना बताता है कि रूस द्वारा अपनाई गई सख्त मौद्रिक नीति अब असर दिखा रही है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि नीति अब भी सख्त रहेगी, जब तक कि महंगाई को 4 फीसदी के लक्ष्य तक नहीं लाया जाता। बैंक का कहना है कि घरेलू मांग अब भी आपूर्ति के मुकाबले ज्यादा है।

मुकेश अंबानी ने आईसीटी को 151 करोड़ अनुदान देने की घोषणा की

मुकेश अंबानी ने 1970 के दशक में यहीं से की थी स्नातक की पढ़ाई

मुंबई।

देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) को 151 करोड़ रुपये का बड़ा दान देने की घोषणा की। ये दान उन्होंने अपने पुराने शिक्षक प्रोफेसर एमएम शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए दिया। यहीं से उन्होंने 1970 के दशक में स्नातक की पढ़ाई की थी। हाल ही में आईसीटी के वरिष्ठ और सम्मानित प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी डिवाइन साइंटिस्ट के विमोचन समारोह में मुकेश अंबानी ने कहा कि प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी मेरे प्रोफेसर थे। अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं...मुकेश अंबानी ने कहा, 70 के दशक के मध्य में जब मैं एक छात्र के रूप में यहां आया था, तब यह इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी नहीं था, यह यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी था। मैंने जानबूझकर आईआईटी बॉम्बे की जगह यूडीसीटी को चुना था। आज भी मुझे प्रोफेसर शर्मा का पहला व्याख्यान याद है और उन्हें सुनने के बाद मुझे विश्वास हो गया कि मैंने सही चुनाव किया है।

एसबीआई एमएफ, गोल्डमैन सैक्स, अन्य ने बजाज फिनसर्व में खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

एसबीआई एमएफ, मॉर्गन स्टेनली और गोल्डमैन सैक्स सहित अन्य ने बजाज फिनसर्व में प्रवर्तक संस्थाओं से कुल 5,506 करोड़ रुपये में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। एनएसई पर थोक सौदों के आंकड़ों के अनुसार जेपी मॉर्गन इंडिया, सिटीग्रुप ग्लोबल, सोसाइटी जनरल, एसबीआई लाइफ, बोफा सिक्योरिटीज और बार्कलेज मर्चेंट बैंक (सिंगापुर) भी खरीदारों में शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार इन संस्थाओं ने बजाज फिनसर्व में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,925.20 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर खरीदी। इस तरह संयुक्त लेनदेन मूल्य 5,506.07 करोड़ रुपये हो गया। इस बीच बजाज फिनसर्व की प्रवर्तक इकाई बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट और जमनालाल संस ने समान कीमत पर समान संख्या में शेयर बेचे। हिस्सेदारी बिक्री के बाद बजाज फिनसर्व में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 60.64 प्रतिशत से घटकर 58.84 प्रतिशत रह गई।

सरकार बनाएगी विदेशी दिग्गज फर्मों को टक्कर देने वाली कंपनी

भारत की कंपनी बनने से विदेशी परामर्श कंपनियों पर निर्भरता हो जाएगी कम

नई दिल्ली।

केंद सरकार भी दु निया की चार दिग्गज परामर्श एवं ऑडिट कंपनियों को टक्कर देने वाली कंपनी बनाने की योजना बना रहा है। कंपनी मामलों के मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी की अध्यक्षता में एक समिति ऐसी देसी कंपनी बनाने के लिए जरूरी कदमों पर विचार करेगी।

यह समिति जरूरत पड़ने पर नीतिगत उपाय भी सुझाएगी। इस सिलसिले में हाल ही में पहली बैठक प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हुई थी। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराज, राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव और गौर मुखर्जी समेत शीर्ष सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने इन शीर्ष अधिकारियों के समक्ष वैश्विक स्तर की एक ऐसी भारतीय कंपनी तैयार करने का खाका पेश किया। सूत्रों ने कहा कि इस बैठक से पहले भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने भी इस विषय पर अपनी सलाह कंपनी मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को दी थी। चार बड़ी कंपनियों डेलॉयट, पीडब्ल्यूसी, ईवाई और केपीएमजी को विभिन्न सरकारी मंत्रालयों एवं विभागों से काफी काम मिलता है। अब सरकार चाहती है कि ऐसी कंपनियों पर निर्भरता कम कर देश में ही एक कंपनी तैयार की जाए, जो ये काम कर सके।

पीएनबी ने घटाई होम और ऑटो लोन की ईएमआई

ब्याज दरों में कटौती 9 जून से प्रभाव में आएगी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो रेट में कटौती के बाद अब सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने होम और ऑटो लोन की ब्याज दरों में कटौती का ऐलान किया है। पीएनबी ने बताया कि बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 0.50 फीसदी की कमी की है, जो 9 जून 2025 से प्रभाव में आएगी। इसके तहत अब पीएनबी का होम लोन 7.45 फीसदी और ऑटो लोन 7.80 फीसदी सालाना की दर से शुरू होगा। बैंक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा` कि हमारे ग्राहकों के लिए खुशखबरी, आपकी ईएमआई को अब और भी सस्ता बना दिया गया है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक में रेपो दर को 0.50 घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया गया, जो कि फरवरी से अब तक कुल एक फीसदी की कटौती है। यह दर पिछले तीन वर्षों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने उम्मीद जताई कि ब्याज दर में हुई कटौती से देश की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि, इस निर्णय का असर वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

पाकिस्तान अंदर से खोखला, वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट से खुलासा

लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है

नई दिल्ली। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और भी` बिगड़ गई है, जैसा कि वर्ल्ड बैंक की हाली हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी अब गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है, जो कि चिंताजनक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति सिर्फ शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आमिस मुनीर की असफलता का ही परिणाम नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की स्वाभाविकता को भी दर्शाता है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिशों की बढ़ती चपेट में आर्थिक सहायता और अन्य आंकड़ों पर निर्भर होने की स्थिति में विकास के मामले में पीछे हो जाना है। अंतरराष्ट्रीय कर्ज और राहत पैकेजों पर निर्भर रहने वाले पाकिस् तान की आज भी प्राथमिकता देश का विकास नहीं बल्कि आतंकवाद को पालने-पोसने की है। चाहे आईएमएफ हो या फिर चीन जैसे मित्र देश, हर जगह से पाकिस् तान को भर-भरकर अरबों डॉलर का कर्ज़ मिल रहा है। इसके बावजूद वहां आवाम के जीवन स्तर में कोई ठोस सुधार नहीं आ पाया है। पाकिस्तान की आधी से ज्यादा आबादी अब रोजाना 1200 रुपये से भी कम पर गुजारा कर रही है, जो इस बात को साफ करता है कि सत्ताधारी वर्ग की योजनाएं जमीनी सच्चाई से कोसों दूर हैं। विकास के बजाय पाकिस्तान की सबसे बड़ी चिंता आज भी उसकी सेना और आतंकवाद को समर्थन देना है। हालिया वर्षों में पाकिस्तान ने सेना के बजट में लगातार इजाफा किया है। इतना ही नहीं वहां शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को नजरअंदाज कर दिया गया है। इस वर्ष भी पाकिस्तान की सेना को बजट में भर-भरकर पैसा दिया गया है, जबकि देश में 39.8 मिलियन लोग चरम गरीबी की मार झेल रहे हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी रही

सेंसेक्स 746.95 अंक चढ़कर 82,188.99 पर बंद

निफ्टी 817.55 अंक चढ़कर 56,578.40 पर बंद

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 50 बे सिस अंकों और सीआरआर में 100 बे सिस अंकों की कटौती की वजह से लगातार दो सप्ताह से चली आ रही` गिरावट के ` सिले सिले को तोड़ते हुए 6 जून को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी देखी गई। शेयर बाजार सप्ताह में पहले और दूसरे ` दिन` गिरावट ले किन बाकी तीन` दिन बढ़त के साथ कारोबार देखा गया। शेयर बाजार में सप्ताह के पांच` दिन कारोबार इस प्रकार रहा- एशियाई बाजारों से मिलेजुले रूखे के बीच भारतीय शेयर बाजार जून महीने के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को बड़ी गिरावट लेकर लाल निशान में खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 81,214 पर खुला और 77.26 अंक गिरकर 81,373.75 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,669.70 अंक पर खुला और 34.10 अंक गिरकर 24,716.60 पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 194.65 अंक गिरकर 81,179.10 पर खुला और 636.24 अंक की गिरावट के साथ 80,737.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.35 अंक गिरकर 24,654.25 पर खुला और 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर बंद हुआ। दो दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 192.73 अंक के साथ 80,930.24 पर खुला

और 260.74 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़कर 80,998.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर खुला और 77.70 अंक बढ़कर 24,620.20 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 197.83 अंक चढ़कर 81,196.08 पर खुला और 443.79 अंक चढ़कर 81,442.04 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 71 अंक चढ़कर 24,691.20 पर खुला और 130.70 अंक बढ़कर 24,750.90 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर एमपीसी के फैसलों के एलान के बाद घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी लौटी। सेंसेक्स 755.89 (0.92 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 82,197.93 पर खुला और 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़कर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक में भी मजबूत खरीदारी दिखी और यह 849.55 (1.52 फीसदी) अंक मजबूत होकर 56,610.40 के स्तर पर खुला और 817.55 (1.47 फीसदी) अंक चढ़कर 56,578.40 के स्तर पर बंद हुआ।

चीन में इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 लॉन्च

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी हुवावे ने अपने नए लग्जरी इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 को लॉन्च किया है, जिसकी कीमत लगभग 1.20 करोड़ रुपये यानी एक मिलियन युआन से अधिक है। यह कार शेन्जेन में पिछले सप्ताह पेश की गई और इसे मर्सिडीज-बेंज ईक्यूएस, रोल्स-रॉयस स्पेक्ट्रे और बेंटले जैसी अल्ट्रा-लक्जरी कारों के मुकाबले उतारा गया है। मैक्सट्रो एस 800 का डिजाइन मर्सिडीज-मेबैक की लक्जरी वाइब देता है, जिसमें फ्रंट पर स्लीक एलईडी हेडलैम्प और सिल्वर जाली लगी है। इसके बड़े मल्टी-स्पोक पहिये, क्रोम ट्रिम्स, फ्लश फिटिंग डोर हैंडल और कूपरूफलाइन इसे आकर्षक बनाते हैं। कार के विंडशील्ड पर लिडार पैनल भी मौजूद है, जो एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टें स सिस्टम (अडास) का हिस्सा है। इंटीरियर की बात करें तो केबिन में क्रिस्टल शिमर सीलिंग है, जिसे रोल्स-रॉयस ने भी इस्तेमाल किया है, जिससे छत तारों भरे आसमान जैसी लगती है। तीन स्क्रीन वाला डैशबोर्ड और 32 से अधिक अडास सेंसर इस कार को तकनीकी रूप से अत्याधुनिक बनाते हैं। हुवावे ने पहले भी सेरेस ग्रुप के साथ ऑटोमोटिव सेक्टर में कदम रखा है और अब मैक्ट्रो एस 800 के साथ लग्जरी कार बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है।

यह मॉडल 838 बीएचपी की पीक पावर देने में सक्षम है और कई पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध होगा। इस लॉन्च के साथ हुवावे इलेक्ट्रिक लग्जरी कारों के क्षेत्र में मर्सिडीज, रोल्स-रॉयस और बेंटले जैसे ब्रांडों को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। बता दें कि चाइनीज कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां अब तेजी से इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बाजार में कदम रख रही हैं और इस रेस में हुवावे ने भी अपनी एंट्री कर ली है।

पामतेल के शुल्क में कटौती से कीमत स्थिर करने में मदद मिलेगी:विशेषज्ञ

नई दिल्ली।

पाम, सोया और सूरजमुखी सहित खाने के तेलों पर आयात शुल्क में कटौती करने से एफएमसीजी कंपनियों को अपने मार्जिन में सुधार करने और लागत को स्थिर करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि दैनें दिन की जरूरत का सामान बनाने वाली कंपनियां खाद्य पदार्थों में पाम तेल का उपयोग करती हैं।` जिससे न केवल खाद्य कंपनियों को फायदा होगा, जिनके लिए पामतेल उनके कच्चे माल की लागत का लगभग 25-30 प्रतिशत है, बल्कि साबुन निर्माताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पाद पीएफएडी (पाम फैटी एसिड डिस्टिलेट) की कीमतें भी कम होंगी। सरकार ने पिछले सप्ताह कच्चे खाद्य तेलों पर मूल आयात कर में 10 प्रतिशत की कमी की थी। शुल्क में कटौती 31 मई, 2025 से प्रभावी है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), जो सिंथॉल और गोदरेज नंबर वन जैसे साबुन ब्रांडों का मालिक है, ने इसे एक सकारात्मक कदम बताया। वैश्विक पाम ऑयल की कीमतों में नरमी के शुरुआती संकेतों के साथ-साथ यह कदम लागत को स्थिर करने में मदद करेगा। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार 10 प्रतिशत शुल्क कटौती उपभोक्ता मासिक मुद्रास्फीति को कम करेगी और खाद्य कंपनियों की लागत को कम करेगी।

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से उभर रहा स्टील सेक्टर

वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा

नई दिल्ली।

टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शेयरधारकों को एक पत्र लिखकर बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभर रही अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने जनसंख्या संरचना, ढांचागत सुधार, कम महंगाई और सरकारी छूटों के चलते देश की आर्थिक स्थिति की प्रशंसा की। चंद्रशेखरन ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा, जबकि भारत में स्टील का उत्पादन और खपत में वृद्धि हुई है। टाटा स्टील ने भी देश में अपनी प्रबल प्रतिष्ठा बनाई है। कंपनी ने देशभर में योगदान देते हुए अपनी स्थिरता और विश्वसनीयता साबित की है। उन्होंने बताया कि टाटा स्टील ने सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया और भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का समर्थन किया है। कंपनी ने ओडिशा में भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जिससे उनके पूर्वानुमान के अनुसार स्टील उत्पादन में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी अच्छे प्रदर्शन किया है। टाटा स्टील ने भारत में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने देशभर में अपनी फैक्ट्रियों को लगभग पूरी क्षमता पर चलाया और अब तक का सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया, जो 21.7 मिलियन टन रहा। इस दौरान 20.9 मिलियन टन स्टील की डिलीवरी भी की गई। कंपनी ने ओडिशा के कलिंगनगर में देश का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जो 27,000 करोड़ की फेज-2 विस्तार योजना का हिस्सा है। इसके अलावा, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने 1,000 करोड़ का ऐ बिटा दर्ज किया और सकारात्मक फ्री कैश फ्लो भी हासिल किया।

टू-व्हीलर बिक्री में हीरो ने होंडा को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो ने होंडा को मासिक और वार्षिक दोनों आधार पर पीछे छोड़ दिया है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई 2025 में टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। मई में हीरो ने 4,88,997 वाहन बेचे, जो अप्रैल 2025 में उसके 2,88,254 से लगभग 70प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्शाता है। वहीं, होंडा की बिक्री मई में 4,17,256 रही, जो अप्रैल के 4,22,931 की तुलना में करीब 1.34प्रतिशत की गिरावट है। सालाना आधार पर होंडा को मई 2024 की तुलना में 7.4प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा। टॉप टू-व्हीलर ब्रांडों की बात करें तो टीवीएस ने मई 2025 में 3,09,287 बाइकें बेचीं, जो पिछले साल की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जबकि बजाज की बिक्री में मामूली वृद्धि के साथ 1.63प्रतिशत की वार्षिक ग्रोथ दर्ज की गई। सुजुकी ने भी 17प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 1,07,780 इकाइयां बेचीं। वहीं, रॉयल एनफील्ड ने सबसे बड़ी सालाना ग्रोथ दिखाई, जिसकी बिक्री मई 2025 में 75,820 रही, जो पिछले साल की 63,531 से 19.34प्रतिशत अधिक है। मासिक आधार पर देखें तो बजाज और सुजुकी ने क्रमशः 1.48प्रतिशत और 13.2 प्रतिशत की ग्रोथ

हासिल की, जबकि टीवीएस और रॉयल एनफील्ड की बिक्री में थोड़ी गिरावट देखी गई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय टू-व्हीलर बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है, जहां हीरो ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए होंडा को चुनौती दी है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 6 और 7 की टेस्टिंग शुरू

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक एसयूवी निर्माता कंपनी विनफास्ट ने अपनी ऑल-इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी वीएफ6-7 की भारत में टेस्टिंग शुरू कर दी है। विनफास्ट की मुंबई समेत कई बड़े शहरों में टेस्टिंग जारी है, जिसमें कंपनी अपने वीएफ6 और वीएफ7 मॉडल की सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क के साथ अनुकूलता और रियल-रंग रेंज का आकलन कर रही है। इसका मकसद यह समझना है कि ये वाहन भारत के विभिन्न इलाकों में उपलब्ध चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ कितना अच्छा तालमेल बिठा पाते हैं। विनफास्ट की योजना है कि वे इस साल के फेस्टिव सीजन में भारत में अपने इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को लॉन्च करें। कंपनी ने भारत में अपनी सहायक कंपनी वी-ग्रीन चार्जिंग समाधान लाने की भी घोषणा की है, जो 60केडब्ल्यू से लेकर 300केडब्ल्यू तक की क्षमता वाले डीसी फास्ट चार्जर उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा, विनफास्ट ने टाटा पावर जैसे स्थानीय चार्जिंग पार्टनर के साथ भी सहयोग किया है, ताकि चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाया जा सके और ग्राहकों को बेहतर सुविधा मिले। विनफास्ट की एसयूवीएस भारत के लिए विशेष रूप से अनुकूलित होंगी और कंपनी 5-स्टार भारत एनकैप सुरक्षा रेटिंग के लिए भी काम कर रही है। वीएफ6 और वीएफ7 दोनों ही 5-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवीएस हैं, जिनमें 75.3 केडब्ल्यूएच की बैटरी लगी है। वीएफ7 में सिंगल मोटर वाला फ्रंट-व्हील ड्राइव 201 बीएचपी की पावर और 310 एनएम का टॉर्क देता है, जबकि डुअल मोटर वाला ऑल-व्हील ड्राइव वैरिएंट 348 बीएचपी पावर और 500 एनएम टॉर्क के साथ आता है। दोनों मॉडलों की रेंज लगभग 431 से 450 किलोमीटर के बीच है। कारें 35 मिनट में डीसी फास्ट चार्जर से 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती हैं। विनफास्ट ने भारतीय बाजार के लिए विशेष फीचर्स जैसे लेवल 2 अडास, एडजस्टेबल सीटें, और बड़े इंफोटेनमेंट डिस्प्ले दिए हैं।

विंडसर ईवी ने 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नई दिल्ली।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मई 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की यह बिक्री पिछले साल के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा रही। विंडसर ईवी को लॉन्च के बाद से ही ग्राहकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। यह बढ़ोतरी एमजी की मजबूत ईवी पोर्टफोलियो, खासकर विंडसर ईवी और उसके प्रो वेरिएंट्स की बदौलत संभव हो पाई है। हाल ही में लॉन्च हुई विंडसर ईवी प्रो सीरीज ने इस रफ्तार को और तेज किया है। कंपनी ने एसेंस प्रो और एक्सक्लूसिव प्रो जैसे वेरिएंट्स उतारे हैं, जो 52.9 केडब्ल्यूएच की बैटरी से लैस हैं और एक बार चार्ज करने पर 449 किमी तक की प्रमाणित रेंज देती हैं। इनमें लेवल 2 अडास, व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) और व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं, जिससे ये कारें सुरक्षा और तकनीक के मामले में काफी आगे हैं। एमजी ने ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैट्री-एस-ए-सर्विस (बीएएएस) मॉडल भी पेश किया है, जिसमें ग्राहक बैटरी खरीदने की बजाय किराये पर ले सकते हैं। इससे वाहन की शुरुआती कीमत घटती है और ज्यादा लोगों तक ईवी पहुंच बनती है। कंपनी आने वाले महीनों में तीन नए इलेक्ट्रिक व्हीकल—सायबस्टेर, एम9 एमपीवी और माजेस्टेर एसयूवी लॉन्च करने की योजना में है। एमजी की लगातार बढ़ती बिक्री दर्शाती है कि अब ग्राहक सिर्फ ब्रांड नहीं, बल्कि तकनीक, रेंज और वैल्यू को प्राथमिकता दे रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रॉक्स भारतीय टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बने

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीकी खेल वैज्ञानिक एड्रियन ले रॉक्स को भारतीय क्रिकेट टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया है। रॉक्स स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई की जगह लेंगे। रॉक्स दक्षिण अफ्रीकी नेशनल क्रिकेट टीम के लिए भी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच थे। जून 2003 में रॉक्स दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल हुए और अगस्त 2007 तक टीम के साथ रहे। उन्होंने शारीरिक लचीलापन, ताकत और चपलता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित दिया। साल 2020 से पंजाब किंग्स के साथ जुड़े एड्रियन ले रॉक्स इससे पहले 2008 से 2019 तक 12 साल तक कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) से जुड़े रहे थे। पिछले माह रॉक्स को भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन के साथ एक साइकिलिंग इवेंट में भी देखा गया था। रॉक्स जनवरी 2002 से मई 2003 तक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच के तौर पर शामिल थे, जिन्होंने एथलेटिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम रख था।

नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुर में होगी

देश विदेश के कुल 12 खिलाड़ी होंगे शामिल होंगे

नई दिल्ली।

नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगा।

आयोजकों ने कहा है कि श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे।

इससे पहले ये प्रतियोगित 24 मई को होनी थी पर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण स्थागित कर दिया गया था। ये पहली बार है जब भारत में किसी अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से भी मंजूरी मिली हुई है। इस टूर्नामेंट में देश विदेश के कुल 12 खिलाड़ी होंगे शामिल होंगे। इस टूर्नामेंट में नीरज चोपड़ा समेत पांच भारतीय सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल शामिल होंगे। वहीं विदेश के सात सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेड के एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ग विजेता थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 के वर्ल्ड चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा शामिल हैं। इस

प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी। इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं। वहीं थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में है।

भारत-इंग्लैंड सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं रुट

मुम्बई।

भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुर हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर प्रशंसक उत्साहित हैं। इस सीरीज से ठीक पहले दोनो ही टीमों के बीच हुए मुकाबलों में किस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाये हैं ये सभी जानना चाहते हैं।

ऐसे में अगर टेस्ट इतिहास पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा रन बनाने वालों खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष स्थान पर इंग्लैंड के जो रुट हैं। वहीं भारत के सचिन तेंदुलकर इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट मुकाबलों में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष बल्लेबाज इस प्रकार हैं :

1 जो रूटः अनुभवी बल्लेबाज रुट ने साल 2012 से 2024 तक भारत के खिलाफ कुल 30 टेस्ट मैच खेले, जिसकी 55 पारियों में उन्होंने 58.08 की औसत के साथ 2846 रन बनाए। इस दौरान रूट ने 10 शतक और 11 अर्धशतक लगाये।

2 सचिन तेंदुलकरः साल 1990-2012 तक सचिन ने इंग्लैंड के खिलाफ 32 टेस्ट मुकाबलों में 51.73 की औसत के साथ कुल 2535 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने सात शतक और 13 अर्धशतक लगाये।

3 सुनील गावस्करः इस सूची में दूसरे पायदान पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर हैं। गावस्कर ने इंग्लैंड के खिलाफ साल 1971 से 1986 के बीच 38 टेस्ट खेले। इस दौरान गावस्कर ने चार शतक और 16 अर्धशतक जड़ते हुए 38.20 की औसत के साथ 2483 रन जोड़े।

4 एलिस्टर कुकः इंग्लैंड के इस पूर्व कप्तान कुक ने भारत के खिलाफ साल 2006 से 2018 तक 30 टेस्ट खेले। इस दौरान कुक ने 54 पारियों में 47.66 की औसत के साथ 2431 रन बनाए। कुक भारत के विरुद्ध टेस्ट करियर में सात शतक और नौ अर्धशतक लगाये।

5 विराट कोहलीः टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले चुके कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ साल 2012 से 2022 के बीच 28 टेस्ट खेले हैं। इस दौरान कोहली ने 42.36 की औसत के साथ 1991 रन बनाए। कोहली ने इस टीम के खिलाफ पांच शतक और 9 अर्धशतक लगाए हैं।

डब्लूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हल्के में नहीं लेगी ऑस्ट्रेलियाः लायन

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लायन ने कहा है कि 11 जून से लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की टीम को कम आंकना भूल होगी। लायन के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना खिताब बनाये रखने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। लायन ने कहा कि उनके गेंदबाजों को दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी टीम के पास काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। लायन ने कहा, ÷तीन 50 ओवर विश्व कप और टी20 विश्व कप विजेता होने के साथ ही डब्लूटीसी फाइनल विजेता होने के कारण उनकी टीम का पलड़ा भारी है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पास भी काफी विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं और अच्छे गेंदबाज भी हैं। इसलिए यह एक फाइनल एक अच्छी चुनौती होगी और जाहिर है कि यह एक बार का टेस्ट मैच है। यह अलग तरह की चुनौती होगी और विदेशी हालातों और ड्यूक्स बॉल के साथ इसमें और भी कड़ा मुकाबला होगा। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन अपने पिछले मैच में 259 रन की धमाकेदार पारी खेलने के बाद लंदन पहुंचे हैं, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा और मध्यक्रम के मुख्य खिलाड़ी डेविड बेडिंघम ने डब्यलूटीसी चक्र के दौरान 600 से अधिक रन बनाए हैं। लायन ने कहा, ÷वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इस बात को हमें स्वीकार कारना होगा।÷ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 11 जून से 15 जून, 2025 तक खेला जाएगा।

शुभमन की कप्तानी में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

लंदन।

युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंच गयी है। ये सीरीज 20 जून से शुरु होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के लंदन पहुंचने का वीडियो भी जारी किया है। बीसीसीआई ने इसमें लिखा, टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लंदन पहुंच गई है। इस वीडियो में भारतीय खिलाड़ी काफी तरोताजा नजर आ रहे हैं। टीम इस लंबे दौरे के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रही है। इस दौरे के लिए भारतीय टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी इस टीम में हैं। वहीं इंग्लैंड रवाना होने से पहले शुभमन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बिना खेलने की चुनौतियों पर भी बात की थी। वहीं टीम पर दबाव को लेकर शुभमन ने कहा था, मुझे लगता है कि हर बार जब आप मैच खेलते हैं या दौरा शुरू करते हैं, तो दबाव होता है। ऐसे में हर सीरीज से पहले दबाव होता है, लेकिन यहां कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा।उन्होंने साथ ही कहा, रोहित और विराट बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनकी जगह भरना बहुत मुश्किल है, बतौर टीम हमारे पास बहुत अनुभव है। हमने बहुत सारे मैच खेले हैं। साथ ही कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी दबाव में भी खेलना जानते हैं। साथ ही कहा कि हमारी टीम में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का समन्वय बहुत अच्छा है। वहीं बल्लेबाजी क्रम को लेकर शुभमन ने कहा कि अभी तक तय नहीं किया है कि वह किस नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने पिछले दौरों में ओपनिंग के अलावा नंबर-3 पर भी बल्लेबाजी की है पर रोहित के न होने के कारण वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु भी कर सकते हैं। शुभमन ने उस पल को भी याद किया, जब उन्हें पहली बार टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने की खबर मिली थी। उन्होंने

कहा, जब पता चला कि मुझे इस तरह का अवसर मिलेगा, तो मैं बहुत उत्साहित था। यह अनुभव काफी उत्साहजनक था पर साथ ही मुझे लगता है कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही कहा कि हमने अभी तक बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोई फैसला नहीं किया है, बहरहाल टीम इस दौरे में अच्छे प्रदर्शन के लिए पूरी तरह से तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

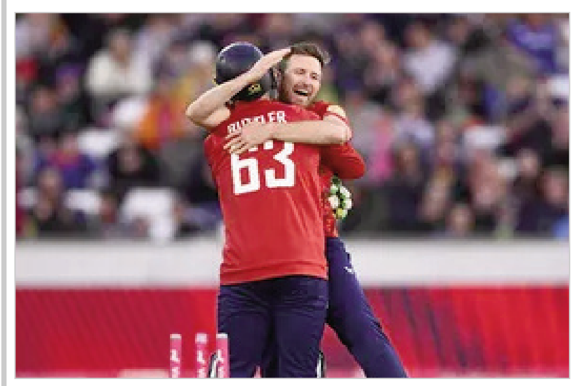

बटलर और डॉसन के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

लंदन।

जो बटलर की 96 रनों की पारी के बाद नये गेंदबाज लियाम डॉसन के चार विकेट की सहायता से इंग्लैंड ने पहले ही टी20 मैच में वेस्टइंडीज को 21 रनों से हरा दिया। इस प्रकार मेजबान टीम को सीरीज में 1-0 की बढ़त मिल गयी है। इस मुकाबले में जोस बटलर ने आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। इंग्लैंड की ओर से बटलर ने 59 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की बदौलत 96 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 162.71 का था। वहीं जैमी स्मिथ ने 38 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट लिए। इस तरह 20 ओवर में ही इंग्लैंड ने 6 विकेट पर 188 रन बना लिये। वेस्टइंडीज की टीम ने 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक के बाद एक विकेट खो दिये। ईविन लुईस 39 रनों के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज तेजी से नहीं खेल पाया। इस प्रकार वेस्टइंडीज की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 9 विकेट पर 167 रन ही बना पायी और मुकाबला 21 रनों के अंतर से हार गई। इंग्लैंड की ओर से डॉसन ने सबसे अधिक 4 जबकि मैथ्यू पॉट्स और जैकब बेथेल ने 2-2 विकेट लिए।

राहुल के शतक से इंडिया ए ने बनाये सात विकेट पर 319 रन

दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट

नॉर्थम्पटन।

केएल राहुल के शानदार शतक 116 रनों की सहायता से इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 319 रन बना लिए थे। राहुल के अलावा ध्रुव जुरेल ने भी 52 रन बनाये। इस मैच में इंग्लैंड लायंस के कप्तान जेम्स र्यू ने टॉस जीतकर इंडिया ए को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंडिया ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने शुरुआत में ही यशस्वी जायसवाल 17 और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को 11 रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद राहुल ने करुण नायर के साथ पारी को आगे बढ़ाया। करुण ने 40 रन बनाये। राहुल ने 151 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 116 रन बनाए। वहीं जुरेल ने भी 87 गेंदों में 52 रन बनाये। नितीश कुमार रेड्डी ने 34 रन बनाये। इंग्लैंड लायंस की ओर से वोक्स ने तीन जबकि जॉर्ज हिल ने दो विकेट लिए। इस अनाधिकारिक टेस्ट से दोनो ही टीमों को 20 जून से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले लया हासिल करने का अवसर मिल गया है।

विराट के आईपीएल को टेस्ट से पांच पायदन नीचे बताने के बयान से सहमत नहीं रसेल

जमैका।

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल हाल ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के उस बयान से सहमत नहीं हैं जिसमें विराट ने कहा था कि आईपीएल का स्तर टेस्ट क्रिकेट से पांच पायदान कम है। वहीं रसेल कहा कहना है कि विराट की ये बात सही नहीं हैं क्योंकि टेस्ट खेलने वाली शीर्ष टीमों का स्तर ही अच्छा है जबकि आईपीएल में दुनिया भर के खिलाड़ी खेलते हैं।

2008 से आरसीबी के लिए आईपीएल खेल रहे विराट कोहली ने 2025 में जाकर टीम के लिए पहली ट्रॉफी जीती।

फाइनल जीतने के बाद विराट ने कहा था, यह पल मेरे करियर के सबसे बेहतरीन पलों में से एक है, लेकिन यह अभी भी टेस्ट क्रिकेट से 5 स्तर नीचे है। मैं टेस्ट क्रिकेट को इतना महत्व देता हूं और मैं टेस्ट क्रिकेट से इतना प्यार करता हूं।

इसलिए मैं आने वाले युवाओं से यही आग्रह करूंगा कि वे इस प्रारूप का सम्मान करें। कोहली की इस टिप्पणी पर रसेल ने कहा कि बड़े क्रिकेट खेलने वाले देशों के खिलाड़ी ही टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित होते हैं। रसेल के अनुसार वह कई सालों से फ्रेंचाइजी क्रिकेट को वरीयता दे रहे हैं।

रसेल ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड से होते हैं, जहां वे अपने टेस्ट खिलाड़ियों की देखभाल करते हैं, तो यह वेस्टइंडीज से होने से बिल्कुल अलग होता है। उन लोगों को टेस्ट क्रिकेट खेलने और बड़े मंचों पर खेलने के लिए आकर्षक केंद्रीय अनुबंध मिलते हैं, बेशक वे खेलना चाहते हैं पर वेस्टइंडीज में आप अगर 50 या 100 टेस्ट खेल सकते हैं तो भी आप जानते हैं कि रिटायर होने के बाद, आपके पास दिखाने के लिए बहुत कुछ नहीं होता है।

रसेल एक अनुभवी क्रिकेटर हैं पर वेस्टइंडीज के लिए उन्होंने अब तक 56 एकदिवसीय और 20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेले हैं। एक टेस्ट उन्होंने 2010 में खेला था जबकि उन्होंने 551 टी20 मैच अगल-अलग टी20 लीगों में खेले हैं। रसेल ने कहा, मुझे मूल रूप से टेस्ट सेट-अप से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने मुझे एक सफेद गेंद वाले खिलाड़ी के रूप में देखा और बस यही हुआ।

पंजाब किंग्स ने जज्बा व जुनून दिखायाः प्रीति जिंटा

मुम्बई।

पंजाब किंग्स टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा ने खिताबी मुकाबले में अपनी टीम प्रदर्शन की प्रशंसा की है। प्रीति के अनुसार उनकी टीम ने गजब का जज्बा व जुनून दिखाया हालांकि आरसीबी के खिलाफ उसे फाइनल में 6 रनों से करीबी हार का सामना करना पड़ा। प्रीति ने सोशल मीडिया पर एक भावुक और प्रेरणादायक पोस्ट साझा कर पंजाब किंग्स के शानदार सफर को याद किया। प्रिटी ने लिखा, यह उस तरह से समाप्त नहीं हुआ जैसा कि हम चाहते थे पर यह यात्रा बेहद शानदार रही। यह रोमांचक, मनोरंजक और प्रेरणादायक थी। मुझे हमारी युवा टीम के पूरे टूर्नामेंट में दिखाए गए जज्बे और हिम्मत से बहुत प्यार है। मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि हमारे कप्तान ने आगे बढ़कर टी का नेतृत्व किया और अनकैप्ड खिलाड़ियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। हमने कई रिकॉर्ड तोड़े, भले ही हमें प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों के कारण नुकसान हुआ। इसके अलावा कुछ खिलाड़ी अपनी राष्ट्रीय टीम से खेलने स्वदेश लौट गये थे। टूर्नामेंट में रुकावट भी आई। घरेलू मैचों को अन्य राज्यों में स्थानांतरित किया गया और एक स्टेडियम तक को खाली किया गया। हमने अनुकूलन किया, एक दशक बाद अंक तालिका में हम शीर्ष पर रहे। मुझे पंजाब किंग्स के प्रत्येक खिलाड़ी पर बहुत गर्व है, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाया। हमारे सभी खिलाड़ियों सहयोगी स्टाफ और पंजाब किंग्स के प्रत्येक सदस्य को इस अविश्वसनीय सत्र के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। सबसे ज्यादा, हमारे शेर स्क्वाड, हमारे प्रशंसकों को दिल से धन्यवाद , जो हर सुख-दुख में हमारे साथ खड़े रहे। हम जो कुछ भी हैं और जितना दूर पहुंचे हैं, वह सब आपकी वजह से है मैं वादा करती हूं कि हम वापस आएंगे और काम पूरा करेंगे, क्योंकि अभी काम आधा अधूरा है।

एंडरसन ने लिया है सबसे अधिक बार सचिन का विकेट

मुम्बई।

भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से होने वाली टेस्ट सीरीज का नाम अब भारतीय टीम के भारत महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नाम पर रखा है। ऐसे दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से रिकार्ड बनाये हैं। सचिन ने जहां 1989 से 2013 तक 24 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 200 टेस्ट मैच खेले और 15,921 रन बनाए हैं। वहीं एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक सबसे अधिक 704 विकेट लिए हैं। एंडरसन 40 की उम्र होने के पार जाकर भी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और युवाओं के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने 23 टेस्ट मैचों में एक-दूसरे का सामना किया है। इस दौरान एंडरसन ने सचिन को सबसे अधिक 9 बार आउट किया। ये किसी भी गेंदबाज द्वारा तेंदुलकर को सबसे ज्यादा बार आउट करने का विश्व रिकॉर्ड है। सचिन ने इस दौरान एंडरसन की 350 गेंदों पर 34 चौके लगाए पर वह एक बार भी भी छक्का नहीं लगा सके। उनका एंडरसन के खिलाफ औसत 23.11 और स्ट्राइक रेट 59.42 का रहा।

जूनियर क्रिकेट के दिनों में पुजारा को आउट करना होता था सबसे कठिन : रोहित

मुम्बई।

हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एक कार्यक्रम में खुलासा किया है कि चेतेश्वर पुजारा को आउट करना उनके लिए सबसे कठिन रहा है। रोहित के अनुसार जूनियर क्रिकेट के दिनों में वह और उनके साथी अक्सर इस बात पर चर्चा करते थे कि पुजारा को आउट कैसे करें। इसका कारण ये था कि पुजारा एक बार जम जायं तो उन्हें आउट करना कठिन हो जाता था। रोहित ने हंसते हुए कहा कि पुजारा की लंबी पारियों के चलते धूप में लगातार फील्डिंग करनी पड़ती थी और उनका चेहरा इतना थका हुआ दिखता था कि मां तक पूछने लगती थीं कि क्या हो गया है। रोहित ने बताया कि उनकी टीम की बैठकों में यही विचार होता था कि पुजारा का विकेट कैसे लिया जाए, क्योंकि अगर वह आउट नहीं होते तो हार लगभग तय मानी जाती थी। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह 14 साल की उम्र में जब खेलने जाते थे और कई दिनों बाद घर लौटते थे, तो मां पूछती थीं कि चेहरे का रंग इतना बदल कैसे गया। तब वह जवाब देते थे कि एक बल्लेबाज है पुजारा, जो तीन दिन से लगातार बल्लेबाजी कर रहा है। इस अवसर पर रोहित ने पुजारा की जुझारू मानसिकता और उनकी चोटों से वापसी के जज्बे को भी सराहा। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में पुजारा को दोनों घुटनों में एसीएल इंजरी हुई थी, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद गंभीर होती है। इसके बावजूद पुजारा ने 100 से ज्यादा टेस्ट खेले, जो उनकी मेहनत और दृढ़ निश्चय दिखाता हैं।

आईपीएल में इस बार नाकाम रहे रचिन , ईशान सहित कई स्टार खिलाड़ी

मुम्बई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार जहां कई नये खिलाड़ियों ने बड़े रिकार्ड बनाये। वहीं कई स्टार क्रिकेटर असफल रहे। साई सुदर्शन और वैभव सूर्यवंशी , आयुष म्हात्रे जैसे नये नये क्रिकेटर बेहद सफल रहे जबकि रचिन रवींद्र, ईशान किशन, ऋषभ पंत वेंकटेश अय्यर व ग्लेने मैक्सवेल विफल रहे। सीएसके की ओ से खेलते हुए न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ने 8 मैचों में सिर्फ 191 रन बनाए। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन की शुरुआत शतक से हुई पर इसके बाद वह रन नहीं बना पाये। वह 12 पारियों में सिर्फ 154 रन ही बना सके जबकि 27 करोड़ की आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी रकम हासिल करने वाले लखनऊ सुपरजायंटस के ऋषभ पंत का प्रदर्शन एक पारी (118) को छोड़कर बेहद खराब रहा। उन्होंने बाकी सत्र में 13.72 की औसत से केवल 151 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट भी केवल 107.09 रहा। केकेआर के वेंकटेश अय्यर भी मात्र 142 रन बना पाए। विदेशी खिलाड़ियों की बात करें तो लियाम लिविंगस्टोन और ग्लेन मैक्सवेल ने भी निराश किया। मैक्सवेल ने पंजाब किंग्स के लिए 7 मैचों में केवल 48 रन बनाए, और टीम उनके बिना फाइनल तक पहुंच गई। वहीं, लिविंगस्टोन ने आरसीबी के लिए 16 की औसत से 112 रन बनाए। वहीं सबसे खराब प्रदर्शन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का रहा। इसकी कप्तानी महेंद्र सिंह धोनी ने की उनका प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा और वह 135.17 की धीमी स्ट्राइक रेट से 196 रन ही बना पाये। उसके गेंदबाज राशिद खान भी 15 मैचों में 57.4 की औसत से केवल 9 विकेट ही ले पाये। इसके अलावा मोहम्मद शमी, मोहित शर्मा और इशांत शर्मा भी विफल रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें

हम सभी अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम चाहते हैं, लेकिन माता-पिता बनना हमेशा आसान नहीं होता। हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। एक अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। पोषण और प्यार भरी देखभाल एक मजबूत नींव का निर्माण करती है, जिससे आपके बच्चे को एक खुशहाल, स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है।

यहाँ आपके बच्चे और आपके खुद के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में आपकी मदद करने के लिए विशेषज्ञ सुझाव और संसाधन दिए गए हैं। ये सुझाव आपको शरीर की छवि, साथियों के दबाव और बदमाशों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद करेंगे। अपने बच्चे को समझाएं कि मानव शरीर कैसे काम करता है और यौवन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका अनुभव हर कोई करता है। उनके शरीर में भी बदलाव आएगा।

सकारात्मक प्रेरणा

दूसरों में नकारात्मक शारीरिक विशेषताओं की ओर इशारा करके या किसी को अपमानजनक उपनाम देकर उदाहरण न पेश करें। बच्चे इसे समझ लेते हैं और ऐसा कर सकते हैं या अपने शरीर को लेकर असहज महसूस कर सकते हैं। इसके बजाय, अपने बच्चे और दूसरों में जो अच्छे गुण आप देखते हैं, उनकी प्रशंसा करें।

एक अच्छा उदाहरण स्थापित करें

आप अपने और दूसरों के शरीर को किस तरह महत्व देते हैं, यह आपके बच्चे के दिमाग में अंकित हो सकता है। उन्हें बताएं कि सक्रिय रहने और स्वस्थ आहार लेने का उद्देश्य सिर्फ़ बेहतर दिखना नहीं है, इसके और भी कई फायदे हैं।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी सीमित रखें

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे सोशल मीडिया पर जो कुछ भी देखते हैं, उससे प्रभावित हो रहे हैं। ट्रेंडी बनने की कोशिश में, बच्चे असुरक्षित और असुरक्षित हो जाते हैं, और उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ सकता है। अपने बच्चे के लिए नियम निर्धारित करें और बताएं कि वह सोशल मीडिया का किस प्रकार उपयोग करता है तथा वह किस प्रकार की सामग्री पोस्ट करता है।

साथियों के दबाव से निपटना

माता–पिता के तौर पर, यह जानना अच्छा है कि आपका बच्चा किसके साथ दोस्त है। अपने बच्चे को अपने दोस्तों को घर पर कुछ समय बिताने के लिए लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इस तरह, आप जान पाएंगे कि वे आपके बच्चे पर अच्छा या बुरा प्रभाव डाल रहे हैं या नहीं।

उन्हें सिखाएं कि नहीं कहना ठीक है

आपके बच्चे को यह जानना जरूरी है कि कुछ स्थितियों में नही कहना बिल्कुल ठीक है। और आप अपने निर्णयों में स्पष्ट और दृढ़ होकर उनके लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें अपने साथियों के साथ उसी भाषा का उपयोग करने की अनुमति देता है, अगर वे किसी चीज़ के बारे में असहज या अनिश्चित हैं।

उन्हें अपने मुद्दों पर बात करने का समय दें

शांत रहें और उनकी बात सुनें। उन्हें इन मुद्दों पर बात करने में सहज महसूस कराएँ। उनके नजरिए से इसे समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए उन्हें दोष न दें।

हर बच्चे को थोड़ी आजादी मिलनी चाहिए

बच्चे अपने आस–पास की दुनिया को जानने के लिए स्वतंत्र और स्वतंत्र होना चाहते हैं। माता–पिता के रूप में, आप परिभाषित कर सकते हैं कि कितना स्वीकार्य है। उनसे उन दोस्तों के बारे में बात करें जो उनके निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं और क्या यह सब इसके लायक है?

क्या मित्र सच्चा मित्र होता है?

अपने बच्चे को यह समझने में मदद करें कि सच्चा दोस्त क्या होता है। अगर यह दोस्त आपके बच्चे को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहा है जिसका उसे पछतावा हो या वह ऐसा बनने के लिए मजबूर कर रहा है जो वह नहीं है, तो क्या वह व्यक्ति वास्तव में दोस्ती के लायक है? अपने बच्चे के नजरिए से मुद्दों को समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए अपने बच्चों को दोष न दें।

अपने बच्चे को सुनिए

आपको अपने बच्चे की बात ध्यान से सुननी चाहिए कि वह बदमाशी के बारे में क्या कहता है। उसे गंभीरता से लें और शांति से सहानुभूति रखें। अपने बच्चे को यह भरोसा दिलाकर उसका समर्थन करें कि जो हो रहा है वह गलत है; आप उसे समस्या से निपटने में कुछ मदद दिलवाएंगे।

उनके साथ स्पष्ट और खुली चर्चा करें

अपने बच्चे से अपने अनुभवों के बारे में बात करें। उन्हें अपने जीवन में अन्य वयस्कों से बात करने के लिए प्रोत्साहित करें जिनके साथ वे करीब हो सकते हैं। इस तरह के रिश्ते को बनाए रखने की पूरी कोशिश करें जहाँ आप संचार के रास्ते खुले रखें।

समस्या का समाधान मिलकर करें

आप अपने बच्चे की मदद कर सकते हैं, बदमाशी के बारे में समस्या–समाधान बातचीत करके और साथ मिलकर इससे निपटने की रणनीति बनाकर। सक्रिय बातचीत करना और नियमित रूप से रणनीति पर चर्चा करना डर या गुस्से में प्रतिक्रिया करने से कहीं बेहतर है।

उन्हें सिखाएं कि बदमाशों से कैसे निपटें

ऐसे हालात से निपटने के लिए दूर चले जाना और धमकाने वाले से उलझना नहीं, सबसे बढ़िया तरीका है। गुस्सा या डर न दिखाने के लिए आप रोल–प्लेइंग का अभ्यास कर सकते हैं।

जानें कि बदमाशी के खिलाफ कैसे खड़ा होना है

जब आपके बच्चे को धमकाया जा रहा हो तो 卐बंद करो卐 या बंद करो या 卐यह मजाक नहीं है卐 जैसे एक सरल वाक्यांश बहुत प्रभावी हो सकते हैं। उन्हें ऐसा कुछ कहने का तरीका खोजने के लिए प्रोत्साहित करें जो उन्हें सही लगे। उन्हें दूसरे व्यक्ति का अपमान करने की ज़रूरत नहीं है लेकिन बोलना शक्तिशाली है।

आम का मजा, ठंडक का एहसास जानिए आम पर्ना बनाने की रेसिपी

आम पर्ना एक स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक है, जिसे गर्मियों में खासतौर पर पीने का आनंद लिया जाता है। यह एक स्वादिष्ट आम का शरबत है, जो ना केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। खासकर जब आम का मौसम होता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। तो आइए, जानते हैं आम पर्ना बनाने की आसान सी रेसिपी :

सामग्री

1 पका हुआ आम (अल्फांसो या कोई भी मीठा आम)
1 कप ठंडा पानी
2–3 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
1/2 चम्मच भुना जीरा पाउडर
1/4 चम्मच काला नमक
1/4 चम्मच सादा नमक
1/2 चम्मच नींबू का रस
पुदीने की पत्तियां
बर्फ के टुकड़े

विधि

1. सबसे पहले, अच्छे से पका हुआ आम लें। आम को छीलकर उसका गूदा निकाल लें। ध्यान रखें कि आम पूरी तरह से पका हुआ हो ताकि उसका स्वाद मीठा और गाढ़ा हो।
2. अब आम के गूदे को एक मिक्सर जार में डालें। साथ ही उसमें ठंडा पानी डालें। अगर आप इसे थोड़ा पतला रखना चाहते हैं तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं।
3. मिक्सर में स्वादानुसार चीनी, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालें। यह मसाले आम पन्ना को एक अलग ही स्वाद देंगे।
4. अगर आपको थोड़ा खट्टापन पसंद है तो नींबू का रस भी डाल सकते हैं। यह आम पन्ना को और भी ताजगी और स्वाद देगा।
5. अब सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, ताकि आम का गूदा और मसाले एकदम अच्छे से मिल जाएं। मिक्सर को 1–2 मिनट तक चलाएं, ताकि एक स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाए।
6. अगर मिश्रण बहुत गाढ़ा हो, तो इसमें थोड़ा और ठंडा पानी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब आपका आम पन्ना तैयार है।

आम पन्ना को गिलास में डालें और ऊपर से पुदीने की पत्तियां डालकर सजाएं। आप इसे बर्फ के टुकड़ों के साथ भी सर्व कर सकते हैं, ताकि गर्मी में ठंडक मिले। इस आसान रेसिपी को ट्राई करें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लें!

बच्चों को बनाना है संस्कारी, तो माता–पिता अपनाएं ये टिप्स

हर माता पिता अपने बच्चे से बहुत अधिक प्रेम करते हैं। अभिभावक हमेशा चाहते हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ और सुखी रहे। बच्चे की खुशियों के लिए वह उनकी लगभग सभी मांगें भी पूरी करना चाहते हैं। इसके अलावा उनके उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। लेकिन अक्सर माता पिता बच्चे के प्रेम में कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जो बच्चे के व्यवहार पर दुष्प्रभाव डालता है। बच्चे के पालन पोषण के दौरान उनकी हर जरूरत को पूरा करने के साथ ही बड़ी छोटी मांगों को पूरा करना, उनकी गलतियों को नजरअंदाज करना, उनके जिद्दी और गुस्सैल रवैए को बिना रोक टोक अपना लेने से बच्चा बिगड़ने लगता है और उसका भविष्य भी खराब होने लगता है। ऐसे में माता पिता को चाहिए कि वह बचपन से बच्चे को संस्कार और अनुशासन सिखाएं, ताकि बच्चा एक आदर्श इंसान, अच्छा बेटा और सफल नागरिक बन सके। चलिए जानते है कि बच्चे को संस्कारी और अनुशासित बनाने के लिए अभिभावक को क्या करना चाहिए।

बड़ों से अनुमति लेना सीखें

बच्चे अगर अपने मन मुताबिक कार्य करना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं लेकिन छोटी उम्र में उन्हें सही गलत का पता नहीं होता। ऐसे में मन मर्जी से किया हुआ कार्य गलत राह पर भी ले जा सकता है। इसलिए माता पिता को बच्चों में शुरुआत से पूछकर कार्य करने की आदत डलवानी चाहिए। भोजन करने से पहले माता पिता की अनुमति, बाहर खेलने जाने के लिए माता पिता की अनुमति लेनी चाहिए। बड़ों से पूछने की आदत डालना बच्चों को संस्कारी बना देता है। हालांकि अभिभावकों को भी बच्चों की पसंद और इच्छा का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चे अनुमति मांगे तो माता पिता को उनकी सलाह लेनी चाहिए कि वह क्या करना चाहते हैं।

गलती पर रोकें

अक्सर बच्चे गलती पर रोके न जानें, डांट न पड़ने और अधिक लाड प्यार के कारण बिगड़ते हैं। छोटी उम्र में जब बच्चे तोतली जुबान से बड़ों के नाम लेते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। लेकिन बच्चे को उसी उम्र में रोकें कि वह बड़ों के नाम से नहीं बल्कि रिश्ते के संबोधन से ही बुलाएं। बच्चे की गलतियों पर हंसने या उसे इग्नोर करने के बजाय पहली बार ही अगर माता पिता बच्चे को टोंक देंगे तो वह गलती नहीं दोहराएगा।

सभी का सम्मान करें

बच्चों को संस्कार सिखाने के लिए सबसे जरूरी है कि उन्हें बड़ों और अपने से छोटों का सम्मान करना सिखाएं। अगर बच्चा सम्मानपूर्वक कोई बात न पूछे, रोए– चिल्लाए और पैर पटक कर बात करे, तो अपना फैसलना न बदलें। बल्कि उन्हें समझाएं कि इस तरह के उनकी कोई बात नहीं मानी जाएगी। किसी भी कार्य को सही तरीके से करने के लिए उन्हें सभी को सम्मान देना चाहिए। इस बात का पाठ पढ़ाने से बच्चा अपने गलत व्यवहार को बदल सकता है।

चिल्लाकर या क्रोध में बात न करें

अक्सर छोटे बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाकर बात करते हैं। लाड प्यार के कारण क्रोध करना सीख जाते हैं और किसी से भी क्रोध में बात करने लगते हैं। अगर उनके चिल्लाने या गुस्सा करने से आप उनकी बातें मान लेते हैं तो बच्चा हर बार यही व्यवहार करता है। बचपन में तो इस तरह का व्यवहार संभाला जा सकता है लेकिन बड़े होने पर भी बच्चे में क्रोध और चिल्ला कर बात पूरी कराने की आदत बन सकती है। इसलिए उन्हें गुस्से पर नियंत्रण करना सिखाएं।

शेयर करना सीखें

बच्चा अपने माता पिता का प्यार किसी दूसरे से साझा नहीं करना चाहिए। कम उम्र में जब बच्चे का छोटा या बड़ा भाई– बहन या दूसरे बच्चों के साथ उन्हें रखा जाता है, तो वह अपने माता पिता को दूसरे बच्चे से लाड प्यार करते देख चिढ़ते हैं। इसके अलावा घर पर दो या दो से अधिक हमउम्र बच्चों की लड़ाई की एक वजह भी यही होती है कि वह एक दूसरे से अपनी चीजें साझा नहीं करना चाहते। ऐसे में बच्चे को शेयरिंग सिखाएं। दूसरे से अपनी चीजें बांटना, कुछ खाने पीने से पहले दूसरों से पूछना और स्वार्थ न दिखाना, यह सब बच्चों में अच्छे संस्कार के गुण बनते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में कोविड मामलों में फिर उछाल, एक्टिव केस 5 हजार के पार, केरल सबसे प्रभावित राज्य

नई दिल्ली।

भारत में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में एक बार फिर तेज़ बढ़ोतरी देखी जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में सक्रिय कोविड मामलों की संख्या बढ़कर 5,364 हो गई है, जो पिछले दिन की तुलना में लगभग 500 अधिक है। इसके साथ ही पिछले 24 घंटों में चार नई मौतों की भी पुष्टि की गई है। केरल एक बार फिर सबसे अधिक प्रभावित राज्य बनकर सामने आया है, जहां वर्तमान में 1,679 सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं। इसके बाद गुजरात में 615, पश्चिम बंगाल में 596 और दिल्ली में 592 सक्रिय मामले हैं। पिछले 24 घंटों में केरल में दो मौतें दर्ज की गईं, जबकि कर्नाटक और पंजाब में एक-एक व्यक्ति की मृत्यु कोविड के चलते हुई है। कोविड मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दिशा निर्देश जारी किए हैं कि वे ऑक्सीजन, आइसोलेशन बेड, वेंटिलेटर और आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि अधिकतर मामलों में लक्षण हल्के होते हैं और मरीजों को घर पर ही इलाज दिया जा रहा है। हालांकि संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए केंद्र सरकार मॉक ड्रिल के जरिए अस्पतालों की तैयारियों की समीक्षा कर रही है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. सुनीता शर्मा की अध्यक्षता में 2 और 3 जून को तकनीकी समीक्षा बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी, जिनमें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) और दिल्ली स्थित केंद्र सरकार के अस्पतालों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

इन बैठकों में मौजूदा स्थिति की गंभीरता और तैयारियों की गहन समीक्षा की गई।

मंत्रालय ने यह भी जानकारी दी कि देशभर में आईएलआई (इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी) और एसएआरआई (गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण) के मामलों पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। इस साल जनवरी से अब तक देश में कुल 4,724 कोविड मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 55 मौतें दर्ज की गई हैं। 22 मई को देश में केवल 257 सक्रिय मामले थे, लेकिन वर्तमान में यह संख्या 5,000 से अधिक हो चुकी है। मंत्रालय का कहना है कि फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्कता और सावधानी बेहद जरूरी है।

इंडियन नेवी में शामिल होगा अर्नाला, बेहद खतरनाक है एंटी-सबमरीन वारफेयर

नई दिल्ली।

भारतीय नौसेना 18 जून को विशाखापत्तनम के नौसेना डॉकयार्ड में पहले 'एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट'अर्नाला अपने बेड़े में शामिल करेगी। अर्नाला उन 16 छोटे वॉरशिप्स में से एक है, जिन्हें नेवी में कमीशन किया जाना है। इन वॉरशिप्स को समुद्र तटों पर एंटी-सबमरीन लड़ाइयों और छोटे स्तर के समुद्री अभियानों के लिए तैयार किया गया है। इन सभी को 12,622 करोड़ रुपए की लागत से भारत में ही तैयार किया गया है। आईएनएस अर्नाला की तैनाती से भारत की तटीय सुरक्षा मजबूत होगी और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री ताकत और आत्मनिर्भरता को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। एएसडब्लू-यानी एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट कई खासियतों से लैस है। यह तट से 100 से 150 नॉटिकल मील दूरी पर दुश्मन की सबमरीन का पता लगा सकती है।समुद्र के अंदर यह 30-40 मीटर की गहराई वाले इलाकों में अभियान चला सकती है। दुश्मन की सबमरीन का खतरा भांपकर यह उसे खत्म करने में सक्षम है।अर्नाला में एंटी सबमरीन रॉकेट लॉन्चर, लाइट वेट टॉरपीडो, 30 एमएम नेवल गन, एएसडब्लू कॉम्बेट सूट, हल माउंटेड सोनार और लो फ्रीक्वेंसी वेरियेबल डेप्थ सोनार से लैस है। इसकी रफ्तार 25 नॉटिकल मील प्रति घंटे होगी। एक बार में यह 3300 किलोमीटर तक जा सकता है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहाकि 80 फीसदी स् वदेशी तकनीक से निर्मित यह पोत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, एलएंडटी, महिंद्रा डिफेंस और मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) समेत प्रमुख भारतीय रक्षा कंपनियों की उन्नत प्रणालियों से युक त है। उन्होंने कहाकि अर्नाला पोत के नौसेना बेड़े में शामिल होने से यह भारत की नौसैनिक क्षमताओं में परिवर्तनकारी बदलाव लाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि इससे तटीय सुरक्षा मजबूत होगी और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में यह आत्मनिर्भर समुद्री शक्ति के रूप में भारत की स्थिति को और सुदृढ़ बनाएगा।

चीन की साख पर लगा बट्टा- हथियारों के कॉम्बैट डेब्यू में भारत हुआ पास

नई दिल्ली।

भारत लंबे समय से दो मोर्चों पर युद्ध की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी कर रहा था। नई तकनीक के हथियार खरीदे गए, लेकिन अब तक वे सिर्फ फायरिंग रेंज में ही अभ्यास कर रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने अपने सभी हथियारों को वास्तविक युद्ध क्षेत्र में इस्तेमाल किया, जिससे उनका कॉम्बैट डेब्यू हो गया। मजेदार बात तो यह है कि लड़ाई तो भारत और पाकिस्तान लड़ रहे थे। एक्सपोज चीन हो गया। भारत और रूस ने मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल तैयार की है। अब तक इसे केवल ट्रायल के दौरान ही फायर किया गया था। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस के एयर लॉन्च वर्जन का टेस्ट भी हुआ। एयर बेस और रनवे पर बने बड़े गड्ढो ने इसकी क्षमता की गवाही दे दी। भारत ने अपने पड़ोसी देशों चीन और पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा था। ऑपरेशन सिंदूर में इसका पहली बार इस्तेमाल हुआ। इस सिस्टम की खासियत है कि यह 600 किलोमीटर दूर से आने वाले किसी भी दुश्मन के हवाई हमले को डिटेक्ट, ट्रैक और न्यूट्रलाइज कर सकता है। पाकिस्तान के हमलों को भारतीय जमीन पर मलबे के तौर पर गिराने का श्रेय मीडियम रेंज सर्फेस टू एयर मिसाइल ÷अभ्रा÷ और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम को भी जाता है। ऑपरेशन सिंदूर में इसका खूब इस्तेमाल हुआ। लद्दाख से लेकर राजस्थान तक कुल 6 आकाश तीर नोड या कमांड पोस्ट एक्टिव थे। पाकिस्तान की तरफ से दागे गए सैकड़ों ड्रोन को हिट करने में आकाश तीर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।भारत को पता था कि पाकिस्तान पलटवार करेगा। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत वाले दिन ही चीन के हथियारों की साख पर सवाल उठ गए थे, जब पाकिस्तान पंजाब के बहावलपुर और मुरीदके में अटैक को पकड़ नहीं सका।

अगले हफ्ते फ्रांस के दौरे पर जा रहे जयशंकर

नई दिल्ली।

अगले हफ्ते भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर फ्रांस के दौरे पर जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में फ्रांस, भारत के साथ खड़ा होकर आतंकवाद के खिलाफ अभियान में मदद कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में राफेल विमानों ने आंतकियों के ठिकानों को बर्बाद करने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत, पश्चिमी देशों में अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहा है।

साथ ही, पाकिस्तान की ओर से यूएनएससी में उठाने वाले मुद्दों को रोकने के लिए फ्रांस पर भी निर्भर है। वहीं फ्रांस दशकों से आतंकवाद के खिलाफ भारत का साथ दे रहा है। अब दोनों देशों के बीच रक्षा उद्योग में भी सहयोग बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर अगले हफ्ते फ्रांस की यात्रा पर जा रहे है। फ्रांस भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की मदद करता है। अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर, फ्रांस के अधिकारियों से मिलने वाले है।

पहलगाम हमले से कुछ दिन पहले ही भारत में फ्रांस के दूतावास ने पोस्ट लिखकर यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता की मांग उठाई थी। फ्रांस ने कहा था, आज से फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मासिक अध्यक्षता संभाली है।

इसका मतलब है कि फ्रांस अब वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर बातचीत का नेतृत्व करेगा। आज की दुनिया को देखते हुए यूएनएससी में बदलाव जरूरी है। भारत को भी सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट मिलनी चाहिए।

अपने दौरे के दौरान जयशंकर मार्सिले में भारत-फ्रांस ट्रैक 1.5 संवाद को भी संबोधित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के साथ मिलकर किया जा रहा है।

पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देगी योगी सरकार, आदेश जारी

लखनऊ।

उप्र पुलिस आरक्षी, पीएसी, आरक्षी घुड़सवार व फायरमैन की भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। प्रमुख सचिव, गृह संजय प्रसाद की ओर से जारी किए गए आदेश में उन्हें अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट भी प्रदान किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। अग्निवीर के रूप में चार वर्ष की सेवा देने वाले वालों को यह लाभ दिया जाएगा।

इस निर्णय का उद्देश्य अग्निपथ योजना के तहत चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों को सार्थक अवसर देना है। आरक्षण सभी श्रेणियों (सामान्य, एससी, एसटी और ओबीसी) पर लागू होगा। अगर कोई अग्निवीर एससी श्रेणी से संबंधित है तो आरक्षण एससी के भीतर लागू होगा। वहीं, अगर ओबीसी है तो ओबीसी के भीतर होगा। आरक्षी पुलिस, आरक्षी पीएसी, घुड़सवार पुलिस और फायरमैन जैसी श्रेणियों के लिए आवेदन करने वाले अग्निवीरों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। अग्निवीर उन्हें ही माना जाएगा जो चार साल की सेवा पूरी कर चुके होंगे। इनकी यूपी का मूल

निवासी होने की शर्त रहेगी। बात दें कि योगी कैबिनेट ने मंगलवार को राज्य की पुलिस भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली थी। इसके बाद अब गृह विभाग ने 20 प्रतिशत आरक्षण का आदेश जारी कर दिया है। यह फैसला लागू करने वाला यूपी देश में पहला राज्य बन गया है। इस प्रणाली के तहत भर्ती का पहला बैच 2026 में आएगा। कई राज्यों और केंद्रीय बलों ने अग्निवीरों को आरक्षण देने की पहल की हैं। हरियाणा व ओडिशा जैसे राज्यों ने पूर्व अग्निवीरों को 10त्न आरक्षण की पेशकश की है।

बिक्र्स में शामिल कई मुस्लिम देशों ने दिया पाकिस्तान को झटका

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा जारी है। इसी कड़ी में ब्रासीलिया में आयोजित बिक्र्स संसदीय मंच ने हमले की कड़ी निंदा कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करने का संकल्प लिया। यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि इसमें चीन के अलावा कई मुस्लिम देश भी शामिल हैं। मंच में भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। बैठक में भारत का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने किया। बिड़ला ने कहा कि आतंकवाद आज वैश्विक

संकट बन चुका है, जिसका सामना अंतरराष्ट्रीय सहयोग से हो सकता है। उन्होंने चार प्रमुख कदमों की वकालत की। उसमें आतंकी संगठनों की आर्थिक मदद बंद हो, इंटेलिजेंस साझा करने की प्रक्रिया तेज हो, तकनीक के दुरुपयोग को रोके और जांच और न्यायिक प्रक्रियाओं में सहयोग बढ़ाने जैसे मुद्दे शामिल हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला की इन बातों को बैठक में मौजूद सभी देशों ने एकमत से स्वीकार कर अंतिम घोषणापत्र में शामिल किया। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, संयुक्त घोषणापत्र में भारत के पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की गई और सभी बिक्स्र देशों के संसदों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर काम करने की सहमति दी। बैठक में आतंकवाद के अलावा एआई, वैश्विक व्यापार, अंतर-संसदीय सहयोग, और अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

संक्षिप्त समाचार

14 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने डिनो को भेजा समन, पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई।

मीठी नदी सफाई घोटाला को लेकर बालीवुड अभिनेता डिनो मोरिया की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। शुक्रवार को 14 घंटे की पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में डिनो को समन भेजा है। उन्हें अगले हफ्ते पूछताछ के लिए बुलाया है। इसके पहले करोड़ों रुपयों के गबन से संबंधित मामले में फंसे डिनो के बांद्रा स्थित आवास पर ईडी ने छापेमारी की थी, जो करीब 14 घंटे तक चली। ईडी ने मुंबई और कोच्चि में 15 से ज्यादा ठिकानों पर कार्रवाई की, जिसमें डिनो के भाई सैंटिनो, ठेकेदारों और बीएमसी अधिकारियों के परिसर शामिल थे। जानकारी के अनुसार, डिनो के अलावा बीएमसी के सहायक अभियंता प्रशांत रामुगडे सहित अन्य के ठिकानों पर भी ईडी ने छापेमारी की थी। इसी मामले में अभिनेता 28 मई को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए थे। अधिकारियों ने अभिनेता से लगभग सात घंटे तक पूछताछ की थी, जिसमें उन्होंने कई अहम सवालों के जवाब दिए।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बाबा महाकाल के दर्शन किए

पत्नी मृदुला प्रधान संग बाबा भस्म आरती में हिस्सा लिया

उज्जैन।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने उज्जैन प्रवास के दौरान महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान महाकाल से देश की समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। धर्मेंद्र प्रधान का महाकालेश्वर मंदिर में आगमन सुबह तड़के हुआ। उन्होंने अपनी पत्नी मृदुला प्रधान संग बाबा भस्म आरती में हिस्सा लिया। पूजन का कार्य मंदिर के पुजारी जितेंद्र शर्मा ने संपन्न करवाया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा को पूर्ण किया। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत किया गया। समिति के सदस्य आशीष दुबे और अभिषेक शर्मा ने उनका सत्कार किया। उन्हें मंदिर की ओर से प्रसाद, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। स्वागत के दौरान समिति ने मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को मंदिर की प्राचीन परंपराओं और धार्मिक महत्व के बारे में भी अवगत कराया।इस दौरान उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं और प्रबंधन की भी सराहना की। धर्मेंद्र प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि बाबा महाकाल की कृपा से वे स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। उज्जैन देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक है और यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। महाकालेश्वर मंदिर बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

बिहार में बीजेपी नहीं दे सकी सीएम चेहरा....इसका फायदा चिराग पासवान उठा रहे

बीजेपी के नेताओं का मानना, नीतिश का चेहरा वोट लाता है

पटना।

बिहार की राजनीति में इन दिनों केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की खूब चर्चा है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि उन्होंने खुद इसका ऐलान किया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वे चुनाव लड़ने वाले है। इतना ही नहीं, उनकी पार्टी लोजपा (राम विलास) के कई नेता उन्हें विधानसभा चुनाव में उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बता रहे है। इसके बाद से बिहार का सियासी गलियारा कयासों का बाजार गर्म है। बिहार की सत्तारूढ़ भाजपा और जेडीयू के चेहरे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। भाजपा नेतृत्व की ओर से बार-बार कहा जा रहा है कि सीट शेयरिंग के बाद लोजपा के हिस्से में गई अपनी सीटों में से किसी पर चुनाव लड़ने के लिए चिराग स्वतंत्र हैं। चिराग के सार्वजनिक बयान तब आए हैं, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विरोधी लगातार कह रहे हैं कि 2025 के विधानसभा के बाद वे मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले है। इसके लिए उनके स्वास्थ्य का हवाला दिया जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा है कि भाजपा नेता ने माना हैं कि चिराग में अपनी पार्टी के पारंपरिक आधार से परे स्वीकार्यता वाले नेता बनने की क्षमता है। बिहार के एक वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व सांसद ने कहा, वह सिर्फ 4 प्रतिशत वोट वाले पासवानों के नेता बनकर खुद को सीमित नहीं रखना चाहते हैं। उन्हें अपना जनाधार बढ़ना चाहते हैं, इसलिए अपने पत्ते खेल रहे हैं। बिहार भाजपा नेताओं का एक बड़ा गुट ने मानता हैं कि केंद्रीय नेतृत्व बिहार जैसे महत्वपूर्ण राज्य में पार्टी के लिए चेहरा तैयार करने में विफल रहा और इस विफलता ने चिराग को मौका दे दिया। उन्होंने कहा, ÷चिराग बार-बार यह कह रहे हैं कि वह बिहार जा सकते हैं और सामान्य सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। यह दर्शाता है कि वे बिहार की राजनीति में अगले नीतीश बनना चाहते हैं।

देशभर की मस्जिदों में लाखों लोगों ने मांगी अमन-चैन की दुआ, दिग्गजों ने दी मुबारकबाद

नई दिल्ली।

बकरीद के मौके पर देशभर की मस्जिदों में लाखों लोगों ने अमन और शांति की दुआ की। ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया, जहां लाखों लोग एकजुट होकर मुल्क की सलामती और अमन-चैन की दुआएं मांग रहे हैं। उत्तर प्रदेश से लेकर कर्नाटक, बिहार से दिल्ली तक, हर जगह लोग एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दे रहे हैं। देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे ने सभी मुस्लिम भाईयों का मुबारकबाद दी है।

राजधानी दिल्ली में भी बकरीद पर मस्जिदों में नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की जा रही है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया, कई दिनों से थाना और सब-डिवीजन स्तर पर तैयारियां की गई थीं। मस्जिद कमेटियों और अमन कमेटियों से संपर्क कर लोगों को शांतिपूर्ण नमाज और कुर्बानी के लिए जागरूक किया गया। पश्चिमी जिले में 29 मस्जिदें हैं, जिनमें कुछ बड़ी मस्जिदों में हजारों लोग नमाज के लिए जुटे। सभी जगह विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में ईद-उल-अजहा की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। शहर की ईदगाह में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिला अधिकारी (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित भारी पुलिस बल ईदगाह के बाहर मौजूद रहा, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। अलीगढ़ और वाराणसी में भी बकरीद का उत्साह चरम पर रहा। मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई और लोग एक-दूसरे को मुबारकबाद देते नजर आए। नमाजी आलम ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, हमने मुल्क की सलामती और भाईचारे के लिए नमाज पढ़ी। आज का दिन खुशी का दिन है। हम चाहते हैं कि सभी लोग प्रेम और एकता के साथ रहें।

ईद-उल-अज़्हा पर खुर्जा की ईदगाह में भी सैकड़ों की संख्या में नमाजी एकत्र हुए और नमाज अदा की। इस दौरान अतिरिक्त जिला अधिकारी (एडीएम), पुलिस अधीक्षक (देहात), उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और क्षेत्राधिकारी (सीओ) सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। बुलंदशहर पुलिस अलर्ट मोड में है और हर गतिविधियों की ड्रोन से निगरानी कर रही है। प्रशासन ने लोगों से शांति और आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी और अमन की दुआ मांगी।

5वीं जेन का फाइटर ले रहा पाकिस्तान, पॉयलेटों ने चीन डाला डेरा

नई दिल्ली।

पाकिस्तान एयर फोर्स के पायलट इस वक्े त चीन में डेरा डाले हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक खास मकसद से आसिम मुनीर की आर्मी ने अपने पायलटों को बीजिंग भेजा है।

यह पायलट चीन के पांचवी पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर एफसी-31 ग्रेफेलकॉन को उड़ाने की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट्स की मानें तो कुछ महीनों के अंदर यह विमान पाकिस्ेतान की वायुसेना के बेड़े में शामिल होने जा रहे हैं। यह कदम हालिया भारत-पाक टकराव के कुछ हफ्तों

बाद सामने आया है, जिसने भारत के कान भी खड़े कर दिए हैं। भारत के पास ब्रह्मोस जैसे हथियार हैं। अगर पाकिस्ेतान ने सीमा पर कोई हिमाकत की तो भारत ब्रह्मोस से इन 5वीं पीढ़ी के विमानों को चकनाचूर कर सकता है। अरब सागर में इनके टुकड़े मिलेंगे।

भारत के पास फिलहाल कोई 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान नहीं है। भारत इस दिशा में काम कर रहा है और एएमसीए नामक स्वदेशी स्टेल्थ फाइटर प्रोजेक्ट विकसित किया जा रहा है, जिसका पहला प्रोटोटाइप 2028 तक तैयार होने की संभावना है। अभी तक भारत ने किसी अन्य देश से 5वीं पीढ़ी का फाइटर जेट खरीदने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप-मस्क टकराव खुलकर आया सामने, ट्रंप बोले : मैं एलन से बेहद निराश हूं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला प्रमुख एलन मस्क के बीच गहराता विवाद अब सार्वजनिक मंचों पर सामने आ गया है। कभी घनिष्ठ माने जाने वाले ये दोनों दिग्गज अब एक-दूसरे की नीतियों और बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ट्रंप द्वारा प्रस्तावित टैक्स और खर्च से जुड़ा वन बिग ब्यूटीफुल बिल इस तकरार का मुख्य कारण बन गया है, जिसे मस्क ने खुले तौर पर निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं माफी चाहता हूं, लेकिन अब सहन नहीं कर सकता... यह खर्च भरा, भ्रष्ट और घिनौना विधेयक शर्मनाक है। जिन्होंने भी इसके पक्ष में वोट किया, उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। इस बयान के जवाब में ट्रंप ने मस्क पर तीखा हमला करते हुए कहा, मैं एलन से बेहद निराश हूं। एलन इस बिल के अंदरूनी पहलुओं को उन लोगों से बेहतर जानता था जो यहां बैठे हैं। उसे बिल की हर बात पता थी लेकिन अचानक जब उसे पता चला कि हमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अनिवार्यता में कटौती करनी पड़ेगी जो अरबों डॉलर का नुकसान है, तब उसे परेशानी हुई। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि मस्क को तब तक कोई आपत्ति नहीं थी जब तक वह डिपार्टमेंट ऑफ ग्रीन एजेंडा (डीओजीई) से नहीं निकले थे। उन्होंने कहा कि मस्क ने पहले मेरे बारे में बहुत अच्छी बातें कही थीं। उसने अब तक मेरे खिलाफ कुछ बुरा नहीं कहा है, लेकिन शायद अगली बारी मेरी है।

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकाने ध्वस्त किए

बेरूत (लेबनान), एजेंसी। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान के उपनगर दहिह में ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह के यूएवी उत्पादन केंद्र और भंडारण स्थलों को नेतस्तनाबूत कर दिया। आईडीएफ ने एक्स पर कहा कि हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकानों पर रात को हवाई हमला किया। इस हमले में एक ड्रोन निर्माण कार्यशाला को मिट्टी में मिला दिया गया। द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार, आईडीएफ ने गुरुवार रात 10 बजे के बाद बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में कई इमारतों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इन इमारतों का प्रयोग हिजबुल्लाह ड्रोन बनाने में करता था। हवाई हमले से पहले दक्षिणी लेबनान के एक शहर में निकासी चेतावनी भी जारी की गई। आईडीएफ के अनुसार, हिजबुल्लाह ने इमारतों के तहखाने का प्रयोग ड्रोन निर्माण (यूनिट 127) के लिए करता था।

बांग्लादेश में ट्रेन और वाहनों की टक्कर में तीन की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कल रात एक रेलगाड़ी और कुछ वाहनों की टक्कर में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। इस वजह से काफी समय तक रेल और सड़क यातायात बाधित रहा। रात साढ़े बजे यह हादसा कर्णफुली नदी पर कलुरघाट पुल पर हुआ। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, चटगांव के कलुरघाट पुल पर ढाका जाने वाली एक ट्रेन और सीएनजी से चलने वाले ऑटो रिक्शा के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों में से एक की पहचान दुर्घटना में शामिल ऑटो-रिक्शा के चालक तुषार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कॉक्स बाजार से आने वाली ट्रेन ने रात करीब 10-30 बजे पुल पर प्रवेश करते समय ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रेन ने मोटरसाइकिलों सहित कई अन्य वाहनों को टक्कर मार दी।

अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस रद्द किया, 7000 नागरिकों को यूएस छोड़ने का आदेश

काठमांडू, एजेंसी। अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस (विशेष संरक्षित सुविधा) रद्द करने की घोषणा की है। अमेरिका में इस सुविधा का उपयोग कर रह रहे 7000 से अधिक नेपाली नागरिकों को अमेरिका छोड़ कर जाने को कहा गया है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द कर दिया है। इससे अमेरिका में रहने वाले 7,000 से अधिक नेपाली नागरिक प्रभावित हुए हैं। फेडरल रजिस्टर में शुक्रवार को प्रकाशित एक नोटिस के मुताबिक डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द करते हुए कहा है कि नेपाल अब इसके मापदंडों पर खरा नहीं उतरता है।

ओम बिरला ने ब्रिक्स फोरम में ईरान के स्पीकर से मुलाकात की, चाबहार बंदरगाह के जरिए कनेक्टिविटी बढ़ाने पर चर्चा हुई

ब्रासीलिया, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच के दौरान ईरान की संसद (मजलिस) के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और ईरान के बीच पुराने और दोस्ताना रिश्तों पर बातचीत की। उनकी बातचीत का मुख्य विषय भारत और ईरान के रिश्तों को मजबूत करना था। इसमें चाबहार बंदरगाह का भी ज़िक्र हुआ, जो दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और अन्य क्षेत्रों के साथ संपर्क बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बातचीत की मुख्य बातें साझा कीं। ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ब्रासीलिया में 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच के दौरान ईरान की संसद (मजलिस) के अध्यक्ष, महामहिम डॉ. मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ़ से गर्मजोशी से बातचीत हुई। इस मुलाकात में भारत और ईरान के पुराने और दोस्ताना संबंधों पर चर्चा हुई। बातचीत में चाबहार बंदरगाह के जरिए आपसी संपर्क बढ़ाने, संसदीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशने पर विशेष

ध्यान दिया गया। उन्होंने आगे कहा, आतंकवाद से मुकाबले के लिए वैश्विक स्तर पर मिलकर ठोस प्रयास करने की ज़रूरत को भी रेखांकित किया गया और इस दिशा में ईरान के सहयोग की सराहना की गई। इसके साथ ही, भारत की यह प्रतिबद्धता दोहराई गई कि वह कानूनी उपायों, तकनीकी सुधारों और संबंधित एजेंसियों के बेहतर तालमेल के ज़रिए आतंकवाद से सख्ती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। डॉ. ग़ालिबफ़ को 2026 में भारत में होने वाले ब्रिक्स संसदीय मंच में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया गया। बिरला ने समावेशी तकनीकी विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी बताया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर भारत के दृष्टिकोण पर भी बात की, जिसे उन्होंने ÷हमारे प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों और आधुनिक तकनीकी नवाचार का अनूठा मेल कहा। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा, जिम्मेदार और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए अंतर-संसदीय सहयोग विषय पर आयोजित सत्र में बिरला ने एआई को लेकर भारत का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि भारत एआई को प्राचीन मूल्यों और आधुनिक तकनीकी नवाचार का मेल मानता है।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, जिम्मेदार और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए अंतर-संसदीय सहयोग विषय पर आयोजित सत्र में, भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर दृष्टिकोण पर चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि भारत एआई को अपने प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों और आधुनिक तकनीकी नवाचार का अनोखा मेल मानता है। उन्होंने कहा, यह दृष्टिकोण दिखाता है कि एआई मानव-केंद्रित होना चाहिए, जो न्याय, समानता और मानवाधिकारों जैसे मूल्यों की सेवा करे। बिरला ने बताया कि भारत किस तरह एआई का इस्तेमाल स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा और शासन जैसे अहम क्षेत्रों में कर रहा है, ताकि हर नागरिक को इसका लाभ मिले-खासकर समाज के सबसे कमजोर वर्गों को।

शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से की मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को वाशिंगटन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ एक बैठक की, जिसमें उन्हें ऑपरेशन सिंदूर , भारत द्वारा सामना किए जा रहे आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज सुबह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस से मुलाकात की। बातचीत में आतंकवाद विरोधी क्षेत्र में सहयोग सहित भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस किया गया।÷ थरूर ने बैठक के बाद एक्स पर लिखा, ÷आज वाशिंगटन डीसी में हमारे प्रतिनिधिमंडल के साथ उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ शानदार बैठक हुई। हमने आतंकवाद विरोधी प्रयासों से लेकर तकनीकी सहयोग बढ़ाने तक कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए यह वास्तव में रचनात्मक और उत्पादक आदान-प्रदान था। जब पहलगाम में 22 अप्रैल को जघन्य आतंकवादी हमला हुआ, तब वेंस भारत दौरे पर थे। समर्थन और एकजुटता के एक मजबूत संदेश में अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने एक्स पर लिखा था, उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए विनाशकारी आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हैं। इस भयावह हमले में हमारे विचार और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। इससे पहले दिन में थरूर ने विदेश संबंध परिषद में राजदूत केन जस्टर के साथ आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई पर बात की। प्रतिनिधिमंडल में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की शांभवी चौधरी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरफराज अहमद, शिवसेना के मिलिंद मुरली देवड़ा, भाजपा के भुवनेश्वर कलिता और तेजस्वी सूर्या, तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी तेलुगू देशम पार्टी के जी.एम. हरीश बालयोगी शामिल हैं।

अफ्रीकी संघ ने अमेरिकी यात्रा प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त की

अदीस अबाबा, एजेंसी। अफ्रीकी संघ (एयू) ने अमेरिका द्वारा हाल ही में लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के संभावित नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की है, जो अफ्रीका सहित कई देशों के नागरिकों को प्रभावित करते हैं। अफ्रीकी संघ आयोग (एयूसी) ने गुरुवार को जारी एक बयान में सभी देशों के संप्रभु अधिकार को स्वीकार किया कि वे अपनी सीमाओं की रक्षा करें और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

हालांकि, इसने अमेरिका से इस अधिकार का प्रयोग ऐसे तरीके से करने का आग्रह किया जो संतुलित, साक्ष्य-आधारित और अमेरिका तथा अफ्रीका के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को दर्शाता हो। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बयान में कहा गया कि एयूसी लोगों के बीच संबंधों, शैक्षिक आदान-प्रदान, वाणिज्यिक जुड़ाव और व्यापक राजनयिक संबंधों पर ऐसे उपायों के संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंतित है, जिन्हें दशकों से सावधानीपूर्वक पोषित किया गया है। एयूसी ने अमेरिकी प्रशासन से अधिक परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाने तथा प्रभावित देशों के साथ रचनात्मक बातचीत करने पर विचार करने का भी आह्वान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम का हवाला देते हुए बुधवार शाम कुछ देशों से यात्रा पर प्रतिबंध लगाने संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर किए।

रूस का कीव पर ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला, मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिगस्त

कीव (यूक्रेन), एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला कर बड़ा नुकसान किया है। रूस के हमले में कई मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिगस्त हो गए हैं। रात भर हुए हमले में कम से कम तीन नागरिक घायल हुए हैं। कुछ दिनों से यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि हुई है। यूक्रेन की वायुसेना ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की सूचना दी है। यूक्रेन ने कहा है कि कीव में वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि रात भर हुए रूसी हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी ड्रोन कीव में प्रवेश कर रहे हैं। लोगों से सुरक्षित आश्रय स्थलों में रहने का आग्रह किया गया है। क्लिट्स्को ने कुछ देरबाद बताया कि घायलों में से दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक का मौके पर ही इलाज किया गया। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि रूस के हमलों में राजधानी कीव में दो स्टेशनों के बीच मेट्रो ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत यह रही कि कहीं आग नहीं लगी और ना ही कोई हताहत हुआ। तकाचेंको ने इससे पहले सूचना दी थी कि कीव पर संयुक्त हमला शुरू हो गया है। हवाई रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। यूक्रेन की वायुसेना ने स्थानीय यूक्रेनी समयानुसार सुबह लगभग 4-30 बजे यूक्रेन के लुत्स्क,

चेर्निहिव, ल्वीव और रिव्ने क्षेत्रों में क्रूज मिसाइल दागने की सूचना दी है। चेर्निहिव में ऊंची इमारत को निशाना बनाया गया। चेर्निहिव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख दिमित्री ब्रायजिन्स्की ने कहा कि शहर में अभी भी हमला हो रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि तब हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता से शुरू की गई शांति वार्ता विफल हो गई है। यूक्रेन और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को तुर्किये के इस्तांबुल में दूसरे दौर की वार्ता के लिए मिले थे। इसके बाद बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा भी की। इस बीच एबीसी न्यूज ने उपग्रह इमेजरी के अध्ययन से दावा किया है कि रूस के खिलाफ यूक्रेन के ड्रोन हमले में कम से कम 11 रूसी बमवर्षक विमान और एक बड़ा परिवहन विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस गुप्त ऑपरेशन को इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला ऑपरेशन बताया।

संयुक्त अरब अमीरात में ईद-अल-अजहा की नमाज अदा की गई

अबूधाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में आज भोर की पहली किरण फूटते ही ईद-अल-अजहा की भावना समुदायों में जीवंत हो उठी। मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों में मुसलमानों ने ईद अल अजहा की नमाज पढ़ी। इसके बाद एक-दूसरे को बधाई दी। ईद-उल-अजहा को बकरा ईद, बकरीद, बखरीद, ईद-अल-अजहा, ईद-कुर्बान, कुर्बान बयारामी या बलिदान के पर्व के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम के विश्वास की परीक्षा की याद में मनाया जाता है। खलीज टाइम्स अखबार के मुताबिक, आज लोग बकरा, भेड़ या ऊंट जैसे पशुओं की कुर्बानी भी देते हैं। संयुक्त अरब अमीरात के निवासी आज सुबह ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों पर एकत्र हुए। दुबई में अल फारूक उमर बिन अल खत्ताब मस्जिद (ब्लू मस्जिद) में बड़ी संख्या में नमाज अदा करने के लिए एकत्र हुए। इस बीच राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने आज के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें आज पूरे देश में तापमान बढ़ने की चेतावनी दी गई है। आंतरिक क्षेत्रों में 39 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान रहने की उम्मीद है। तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहेगा। आसमान साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

शी जिनपिंग ने सैन्य सुविधाओं के निर्माण पर विनियम जारी करने के आदेश पर किए हस्ताक्षर

बीजिंग, एजेंसी। चीनी केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष शी जिनपिंग ने हाल ही में सैन्य सुविधाओं के निर्माण पर विनियम जारी करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए, जो 1 अगस्त 2025 से प्रभावी होंगे। यह विनियम सैन्य शक्ति को मजबूत करने के बारे में शी जिनपिंग के विचारों को पूरी तरह से लागू करता है, नए युग के सैन्य रणनीतिक दिशानिर्देशों को पूरी तरह से लागू करता है, युद्ध की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करता है, नए नेतृत्व और कमांड सिस्टम

और समर्थन मॉडल के अनुकूल होता है, और सैन्य सुविधा निर्माण के बुनियादी सिद्धांतों, प्रबंधन प्रणाली, संचालन तंत्र और कार्य प्रणाली को वैज्ञानिक रूप से मानकीकृत करता है। यह सैन्य सुविधा निर्माण कार्य के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है। विनियम में कुल 11 अध्याय और 63 धाराएं हैं। विनियम निर्माण श्रृंखला, प्रबंधन श्रृंखला और पर्यवेक्षण श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और सैन्य सुविधा निर्माण योजना प्रबंधन, परियोजना अनुमोदन, इंजीनियरिंग अनुबंध, सर्वेक्षण और डिजाइन, निर्माण प्रबंधन, आपातकालीन निर्माण, सुरक्षा और गोपनीयता, पर्यवेक्षण और जवाबदेही आदि पहलुओं से प्रबंधन प्राधिकरण को स्पष्ट करते हैं, प्रक्रिया तंत्र को अनुकूलित करते हैं और व्यावहारिक परिणामों को समेकित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, ताकि सैन्य सुविधा निर्माण की गुणवत्ता, दक्षता और समर्थन क्षमताओं में सुधार के लिए मजबूत कानूनी गारंटी प्रदान की जा सके।

एपस्टीन फाइलों से जुड़े आरोपों के बीच एलन मस्क की ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग : रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग की है। मस्क ने दावा किया है कि ट्रंप का नाम एपस्टीन फाइल्स में है। इसके साथ ही मस्क ने स्पेसएक्स प्रोग्राम को बंद करने की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा, ÷मेरे सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करने के राष्ट्रपति के बयान के मद्देनजर, स्पेसएक्स अपने ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को तुरंत बंद करना शुरू कर देगा। अमेरिकी मीडिया आउटलेट सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसने अतीत में नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने में मदद की थी। ये अंतरिक्ष यात्री नौ महीनों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंसे रहे थे। इसके अतिरिक्त, यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर कार्गो और लोगों को ले जाने के लिए भी जरूरी है। स्पेस एक्स ने कहा कि ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ÷वर्तमान में उड़ान भरने वाला एकमात्र स्पेसक्राफ्ट है, जो पृथ्वी पर महत्वपूर्ण मात्रा में कार्गो वापस लाने में सक्षम है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप और मस्क के बीच संबंध तब और खराब हो गए, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने एलन की सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स को खत्म करने की धमकी दी। यह एक ऐसा कदम है, जो दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के बिजनेस को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इससे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर प्रभाव दिख सकता है। ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर

लिखा, हमारे बजट, अरबों और अरबों डॉलर में पैसे बचाने का सबसे आसान तरीका एलन की सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स को खत्म करना है। मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि बाइडेन ने ऐसा क्यों नहीं किया ! इस बीच मस्क ने आरोप लगाया कि ट्रंप का नाम एपस्टीन फाइलों में है और इस वजह से जांच के विवरण और निष्कर्षों को जनता के सामने पेश नहीं किया गया है। मस्क ने एक्स पर लिखा, वास्तव में बड़ा बम गिराने का समय आ गया है- डोनाल्ड ट्रंप एपस्टीन फाइलों में हैं। यही असली कारण है कि उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है।

आपका दिन शुभ हो, डीजीटी ! एपस्टीन के आरोप के जवाब में, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, ÷यह एलन का एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण है, जो वन बिग ब्यूटीफुल बिल से नाखुश हैं, क्योंकि इसमें वे नीतियां शामिल नहीं हैं, जो वह चाहते थे। राष्ट्रपति इस ऐतिहासिक कानून को पारित करने और हमारे देश को फिर से महान बनाने पर फोकस कर रहे हैं। ट्रंप ने गुरुवार को ओवल ऑफिस प्रेस कॉन्फ्रेंस में संकेत दिया कि टेस्ला के सीईओ उनके वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट का विरोध करते हैं, क्योंकि वह इलेक्ट्रिक व्हीकल इन्सेन्टिव को हटाए जाने से नाराज हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह मस्क के साथ दोस्त बने रहेंगे। इसके साथ ही ट्रंप ने आरोप लगाया कि मस्क बिल के अंदरूनी कामकाज को जानते थे। मस्क ने ट्रंप को जवाब देते हुए एक ट्वीट किया, ÷बहुत अनुचित है कि तेल और गैस सब्सिडी को बिल में छोड़ दिया गया था। इसके बाद के ट्वीट में उन्होंने कहा, यह बिल मुझे एक बार भी नहीं दिखाया गया और रात के अंधेरे में इतनी तेजी से पारित किया गया कि कांग्रेस में लगभग कोई भी इसे पढ़ भी नहीं सका !

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ 29 जनवरी को भगदड़ हाईकोर्ट की यूपी सरकार को कड़ी फटकार

अब तक मुआवजा क्यों नहीं दिया?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महाकुंभ भगदड़ मामले में शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने योगी सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। भगदड़ में जान गंवाने वालों को अब तक मुआवजा सरकार ने नहीं दिया है। अवकाश बेंच के जस्टिस सौमित्र दयाल सिंह और संदीप जैन की खंडपीठ ने उदय प्रताप सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा- सरकार का रवैया 'अस्थिर' और 'नागरिकों की पीड़ा के प्रति उदासीन' है। कोर्ट ने भगदड़ में सभी मौतों, मरीजों और डॉक्टरों की रिपोर्ट तलब की है।

कोर्ट ने कहा- राज्य सरकार मुआवजा से संबंधित पूरा ब्योरा दे। राज्य सरकार नागरिकों के ट्रस्टी की तरह काम करती है, उसे पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर शाही स्नान से पहले आधी रात में भगदड़ हुई थी। जिसमें सरकार ने 30 मौतों को स्वीकार किया था। 25-25 लाख मुआवजे का ऐलान किया था। हाईकोर्ट ने उदय प्रताप सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उदय के मुताबिक, महाकुंभ भगदड़ में उनकी पत्नी सुनैना देवी (52) को गंभीर चोट आई। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। लेकिन उनकी पत्नी के शव का न तो पोस्टमॉर्टम हुआ, न ही उन्हें कोई जानकारी दी गई।

सुनैना को कब और किस हालत में अस्पताल लाया गया था। कोर्ट ने इसे गंभीर चूक मानते हुए सरकारी संस्थानों के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। बेंच ने कहा- जब सरकार ने मुआवजे की घोषणा कर दी, तो उसको समय से और गरिमा के साथ परिवारों को दे देना चाहिए था। नागरिकों की कोई गलती नहीं थी और ऐसी त्रासदियों में राज्य का यह कर्तव्य है कि वह पीड़ित परिवारों की देखभाल और सहायता करे।

कोर्ट ने मामले में हेल्थ डिपार्टमेंट, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित अधिकारियों को पक्षकार बनाते हुए कहा- एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करें। इसमें 28 जनवरी से मेला खत्म होने तक उनके नियंत्रण में आने वाले सभी शवों और मरीजों की डेटवार जानकारी शामिल होनी चाहिए। साथ ही, उन डॉक्टरों का विवरण भी मांगा गया है, जिन्होंने घायलों का इलाज किया या मृत घोषित किया।

> **महाकुंभ में 29 जनवरी को भगदड़ हुई थी। जिसमें यूपी सरकार ने 30 मौतों की पुष्टि की थी।**

योगी सरकार ने हादसे के 17 घंटे बाद 30 मौतें स्वीकार की थीं प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर 29 जनवरी की आधी रात भगदड़ हुई। हादसे के 17 घंटे बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 लोगों की मौत की पुष्टि की। शाम 6.30 बजे तत्कालीन मेला अधिकारी विजय किरण आनंद और DIG वैभव कृष्णा ने 3 मिनट की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। DIG वैभव कृष्ण ने कहा- भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हुई। 60 लोग घायल हैं। 25 शवों की पहचान कर ली गई है।

उन्होंने कहा कि भगदड़ में मरने वालों में यूपी के सबसे ज्यादा 19, कर्नाटक के 4, गुजरात और असम के एक-एक श्रद्धालु की मौत हुई है। उन्होंने कहा- घाट पर कुछ बैरिकेड्स टूट गए थे, जिसकी वजह से कुछ लोग जमीन पर सो रहे कुछ श्रद्धालुओं पर चढ़ गए। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि मेले में कोई वीआईपी प्रोटोकाल नहीं होगा। विजय किरण आनंद ने कहा- जो श्रद्धालु महाकुंभ में आए हैं, उन्हें वापस भेजने के लिए काम किया जा रहा है। अब सवाल न करें। सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख का मुआवजा देने का ऐलान किया था।

हाईकोर्ट का DPO के निलंबन आदेश में हस्तक्षेप से इन्कार

यौन उत्पीड़न के आरोप में निलंबित हैं कुशीनगर के जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेंद्र राय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुशीनगर के DPO (जिला कार्यक्रम अधिकारी) शैलेंद्र कुमार राय के निलंबन में हस्तक्षेप से इन्कार कर दिया है। राय को यौन उत्पीड़न के आरोप में निलंबित किया गया है।

कोर्ट ने राय को 4 सप्ताह के भीतर सक्षम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही प्राधिकरण को 2 महीने के भीतर तर्कसंगत और लिखित आदेश पारित करने को कहा गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार ने दिया है।

DPO ने याचिका दायर कर अपने निलंबन आदेश को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि महिला कर्मचारी के बयान कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा में नहीं आते।

आंतरिक शिकायत समिति का गठन विधि के अनुसार नहीं हुआ। विस्तृत जांच प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, और उन्हें न तो शिकायतकर्ता से जिरह का अवसर मिला, न ही रिपोर्ट की प्रति दी गई।

आईसीसी की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि डीपीओ ने एक महिला कर्मचारी को उसके शरीर को लेकर मोटा कहा, कई बार सैर का प्रस्ताव दिया और स्कूटी पर सैर की बात की।

ये टिप्पणियां और व्यवहार पीड़िता के लिए असहज और अपमानजनक थे। पीड़िता ने समिति के समक्ष अपने बयान में इन घटनाओं की पुष्टि की।

याची के वकील ने दलील दी कि आईसीसी का गठन अधिनियम, 2013 की धारा 4 के अनुरूप नहीं किया गया क्योंकि इसमें कोई एनजीओ सदस्य या यौन उत्पीड़न मामलों में प्रशिक्षित विशेषज्ञ नहीं था। उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन और अपील) नियम, 1999 के तहत विस्तृत जांच प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ।

कोर्ट ने कहा, बॉडी शेमिंग समाज में अस्वीकार्य प्रतिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता ने दलील करते हुए कहा, याची की टिप्पणियां बॉडी शेमिंग के अंतर्गत आती हैं, जो यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि यदि याची को जिरह करनी थी तो उन्हें समिति को इसके लिए आवेदन देना चाहिए था। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि जांच रिपोर्ट की प्रति याचिकाकर्ता को प्रदान की गई थी।

कोर्ट ने कहा, बॉडी शेमिंग समाज में अस्वीकार्य है और कहा कि वह यह निर्णय नहीं देगा कि आरोपित आचरण यौन उत्पीड़न है या नहीं, क्योंकि यह मामला अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन रहेगा।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि निलंबन कोई दंड नहीं, बल्कि जांच की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए एक प्रशासनिक उपाय है।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि अपील के निर्णय तक आईसीसी की सिफारिशों के आधार पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी और राय को नियमित निर्वाह भत्ता मिलता रहेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और विश्वास बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में त्वरित और न्यायसंगत प्रक्रिया जरूरी है।

यूपी BJP ऐसे नेताओं पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही, मजबूरी या कुछ और

पहला केस- जनवरी, 2012 में बसपा से भाजपा में आए बाबू सिंह कुशवाहा को कुछ ही घंटों में पार्टी से निकाल दिया गया। कुशवाहा पर कई तरह के आरोप लगे थे। इसके बाद पार्टी ने तुरंत फैसला लिया।

दूसरा केस- 2016 में मायावती पर कमेंट करने पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह को पार्टी से निकाला गया।

ये दो केस हैं, जब पार्टी ने इमेज खराब होने से बचने के लिए फैसला लेने में देर नहीं की। यही वजह है, किसी समय भाजपा को अनुशासित पार्टी कहा जाता था। पार्टी के अनुशासन के बूते ही इसे पार्टी विद डिफरेंस तक कहा गया। लेकिन, जैसे-जैसे संगठन और सरकार का दायरा बढ़ता गया, पार्टी के अनुशासन में कमी आती गई। अब आलम यह है कि भ्रष्टाचार और अनैतिकता के गंभीर मामले सामने आने के बाद भी वोट बैंक के डर से पार्टी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही।

केस-24 मई, 2025: गोंडा में भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में अमर किशोर बीजेपी कार्यालय के अंदर एक महिला कार्यकर्ता को गले लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर 7 दिन में सफाई मांगी।

सूत्रों के मुताबिक, कश्यप ने 30 मई को ही अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रदेश कार्यालय में दे दिया। लेकिन, पार्टी की ओर से इस संबंध में अभी तक कार्रवाई नहीं की गई। पार्टी ने न तो कश्यप को क्लीन चिट दी, न ही उन्हें पदमुक्त किया है।

केस- 3: नंदकिशोर गुर्जर की बयानबाजी जारी गाजियाबाद के लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पिछले दिनों योगी सरकार के खिलाफ बयान दिया था। गुर्जर को पार्टी कार्यालय पर तलब कर जवाब मांगा गया था। गुर्जर ने अपना पक्ष प्रदेश नेतृत्व के सामने रखा।

प्रदेश नेतृत्व की ओर से गुर्जर को भविष्य में संगठन या सरकार की छवि खराब करने वाला कोई भी काम नहीं करने की हिदायत दी गई। सूत्रों का कहना है कि गाजियाबाद में गुर्जर की बयानबाजी और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन की कार्रवाई जारी है।

बलिया में सहकारी चीनी मिल संघ के निदेशक और बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य ठाकुर बब्बन सिंह का एक वीडियो मई में वायरल हुआ था। वह एक डांसर के साथ अश्लील हरकत करते नजर आ रहे थे। मामले में पार्टी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें निष्कासित कर दिया। बब्बन सिंह ने आरोप लगाया था कि विधायक केतकी सिंह ने उन्हें फंसाया है।

नेताओं पर कार्रवाई न होने की वजह क्या?

पिछड़े वोट बैंक पर नजर, इसलिए अपनों को बचा रहे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गोंडा के जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप और फतेहपुर के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल दोनों पिछड़ा वर्ग से हैं। दोनों के खिलाफ कार्रवाई होने से पार्टी को पिछड़े वोट बैंक के नुकसान का डर है। वहीं, पिछड़े वर्ग के कुछ नेता भी दोनों का बचाव कर रहे हैं। लिहाजा, अभी तक कार्रवाई का निर्णय नहीं हो सका है।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक रामदत्त त्रिपाठी का कहना है कि बीजेपी में अब हर कोई किसी न किसी ग्रुप से जुड़ा हुआ है। ग्रुप के रिंग लीडर अपने गुट के कार्यकर्ताओं को बचाते हैं। अब नेतृत्व वाली बात नहीं रही।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि एक समय ऐसा था जब बीजेपी के नेता बगावत करने से डरते थे। एक बार बगावत करने वालों की पार्टी में वापसी आसान नहीं होती थी। लेकिन, अब तो नगरीय निकाय चुनाव, पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव और विधान परिषद चुनाव में पार्टी से बगावत करने वालों की भी थोड़े समय बाद वापसी हो जाती है।

पत्नी और बॉयफ्रेंड ने मिलकर की पति की हत्या

प्रयागराज में रेलवे ट्रैक पर मिली लाश कुल्हाड़ी से वार कर मारा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रयागराज के मेजा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। कठौली इलाके में रेलवे ट्रैक पर मिली एक लाश की पहचान ईंट-भट्ठा मजदूर भोग सिंह (35) के रूप में हुई है। भोग सिंह ओडिशा का रहने वाला था।

पुलिस जांच में पता चला कि यह रेल दुर्घटना का मामला नहीं था। भोग सिंह की पत्नी नंदिनी उर्फ उर्मिला ने अपने प्रेमी उत्तम मटारी के साथ मिलकर उसकी हत्या की थी। दोनों ने भोग सिंह के सिर पर कुल्हाड़ी से कई वार किए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मेजा रोड ओवर ब्रिज के पास से गिरफ्तार कर लिया है।

घटना की जानकारी के अनुसार, भोग सिंह अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के साथ मेजा रोड के पास स्थित एक ईंट भट्ठे पर काम करता था। वह अचानक भट्ठे से गायब हो गया। साथी मजदूरों ने मेजा पुलिस को सूचना दी। अगले दिन रेलवे ट्रैक पर एक शव मिला, जिसकी पहचान परिजनों ने भोग सिंह के रूप में की।

मेजा थाना अध्यक्ष राजेश उपाध्याय के अनुसार, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। नंदिनी और उत्तम के बीच वर्षों से प्रेम संबंध था।

पति उनके रास्ते का रोड़ा बन रहा था। दोनों ने साजिश रचकर भोग सिंह की हत्या की और सबूत मिटाने के लिए शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया।

एकतरफा प्यार में युवती पर जानलेवा

प्रयागराज में शादी से इनकार पर गोली चलाई, आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रयागराज के नवाबगंज थाना क्षेत्र में 3 जून को एक युवती पर उस समय जानलेवा हमला हुआ जब वह पोस्ट ऑफिस से लौट रही थी। ग्राम विछिया के पास पहले से घात लगाए बैठे एक युवक ने रास्ता रोका, गाली-गलौज की और फिर .32 बोर के तमंचे से गोली चला दी। गोली युवती के हाथ को छूते हुए निकल गई, जिससे वह बाल-बाल बच गई। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी।

वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल एफआईआर संख्या 250/2025 दर्ज की और IPC की धारा 352, 115(2), 109 और एससी/एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी।

पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नवाबगंज पुलिस, एसओजी और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने जांच को तेज़ी से आगे बढ़ाया। सर्विलांस ट्रैकिंग और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को 6 जून को रानीगंज मार्केट तिराहा, कानपुर-वाराणसी हाईवे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त अवैध .32 बोर की पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह पीड़िता से पहले से परिचित था और उससे विवाह करना चाहता था। लेकिन जब युवती ने रिश्ता तोड़ लिया और किसी अन्य से विवाह तय कर लिया, तो आरोपी ने बदले की भावना से उस पर जानलेवा हमला कर दिया।

इस सनकी आशिक की करतूत ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि जब प्रेम जुनून में बदल जाए और उसे नकार दिया जाए, तो वह घातक रूप ले सकता है। सौभाग्य से युवती की जान बच गई और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपी गिरफ्त में आ गया।

करछना के भुंडा पुलिस चौकी प्रभारी और सिपाही लाइन हाजिर

काम में लापरवाही और व्यवहार में खामियों के चलते की गई कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रयागराज के करछना थाने के अंतर्गत भुंडा पुलिस चौकी के प्रभारी सुधीर कुमार और सिपाही अर्जुन सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया है। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने यह कार्रवाई की है।

दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ कई शिकायतें मिली थीं। जांच में पाया गया कि वे लोगों के साथ उचित व्यवहार नहीं करते थे। इस मामले में एक घटना सामने आई है। यमुनापार के एक थाने में तैनात एक दरोगा इस दौरान चार-पांच युवकों ने उनके साथ अभद्रता की और अपशब्द कहे। स्थानीय लोगों के पहुंचने पर दरोगा ने एक युवक को पकड़ लिया। भुंडा चौकी प्रभारी सुधीर कुमार युवक को चौकी ले आए। बाद में युवक को उसके परिजनों को सौंप दिया गया। चौकी प्रभारी ने अन्य युवकों को अगले दिन चौकी बुलाया। लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी कोई नहीं आया। पीड़ित दरोगा ने भी इस मामले में कोई तहरीर नहीं दी। इस घटना के बाद डीसीपी ने जांच कराई और दोनों पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया।

स्कॉलर को ब्लू फिल्म दिखाने वाले प्रोफेसर की होगी जांच

BBAU के HOD बोले- मेरे चरित्र की हत्या की, स्टूडेंट ने लिखा था- सेक्सुअल हैरसमेंट किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लखनऊ के बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में रिसर्च स्कॉलर से सेक्सुअल हैरसमेंट की जांच इंटरनल कंप्लेंट कमेटी जल्द करेगी। इस मामले के बाद कैंपस में सनसनी जैसे हालत हैं। स्कॉलर के ।छ्ह पर आरोपों के बाद कैंपस पहुंचकर पूरी स्थिति जानी। पता चला कि इससे पहले भी एनवायरमेंटल माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट विवादों में रहा है।विभाग में कई दिन बाद शुक्रवार को हेड ऑफ डिपार्टमेंट प्रो. राजेश कुमार पहुंचे। उन्होंने खुद पर आरोप के बाद रिसर्च स्कॉलर से जुड़ी फाइल मंगाकर पहले की सारी कंप्लेंट चेक की। एडमिशन सहित दस्तावेज भी तलब किए। स्कॉलर स्टूडेंट ने अपने गाइड के ट्रांसफर के बाद प्रक्रियाओं में देरी की। जब उस पर कार्रवाई हुई तो उसने झूठे आरोप लगाने शुरू कर दिए।